epaper.dehatsandesh.com

3 सेना ने राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरक व्याख्यान किया आयोजित

5 इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक

8 अदरक की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10, अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-65 | जम्मू तवी, वीरवार 13 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

शून्यकाल में संबंधित विधायकों द्वारा सार्वजनिक मुद्दे उठाए गये

आशु कुमार

जम्मू 12 मार्च। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विभिन्न विधायकों द्वारा कई सार्वजनिक मुद्दे उठाए गए, जिसमें विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों को प्रभावित करने वाली तत्काल चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। गुलाबगढ़ के विधायक खुर्शीद अहमद ने रियासी जिले में हाल ही में हुए दुखद सड़क हादसे में घायल हुए लोगों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता को उठाया, जिसके परिणामस्वरूप चार लोगों की जान चली गई। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि जीएमसी, जम्मू और डीएच, रियासी में भर्ती घायलों को उचित उपचार मिले। पुंछ हवेली के विधायक एजाज अहमद जान ने एक युवक यावर राशिद के लापता होने के संबंध में अध्यक्ष से हस्तक्षेप करने की मांग की, जो जांच के लिए जम्मू गया था, लेकिन तब से लापता है। उन्होंने अधिकारियों से युवक का पता लगाने में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। कश्मीर संभाग के विधायक सलमान सागर, इरफान रसूल कार, मुश्ताक गुरु और शेख अहसान अहमद ने श्रीनगर नगर निगम और अन्य नगर निकायों द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाने में धीमी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस काम में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया, खासकर रमजान के पवित्र महीने को

देखते हुए, ताकि निवासियों को बहुत जरूरी राहत मिल सके। इसी तरह, शंगस-अनंतनाग पूर्व के विधायक रियाज अहमद खान ने बताया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने के कारण पहले से लगी स्ट्रीट लाइटें कट गई हैं। उन्होंने अधिकारियों से जनता को होने वाली असुविधा से बचने के लिए इन स्ट्रीट लाइटों को बहाल करने का आग्रह किया। रामबन के विधायक अर्जुन सिंह राजू ने आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं पर चिंता जताते हुए अपने निर्वाचन क्षेत्र में राशन डिपो की संख्या बढ़ाने की मांग की। उन्होंने 10 पहाड़ी पंचायतों के लोगों की कठिनाइयों का हवाला दिया, जो वर्तमान में केवल दो राशन डिपो पर निर्भर हैं। बनिहाल के विधायक सज्जाद शाहीन ने बनिहाल में एसडीएम के पद के रिक्त होने पर चिंता व्यक्त की, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने सरकार से क्षेत्र में सुचारू प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए इस महत्वपूर्ण पद को तुरंत भरने का आग्रह किया।

जम्मू संभाग में 11 विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली प्रस्तावितः जाविद राणा

जम्मू। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने विधानसभा में देविंद्र कुमार मन्याल द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि रावी नहर और उसकी सहायक नदियों के सुदृढ़ीकरण के लिए 571.38 करोड़ रुपये की डीपीआर केंद्रीय जल आयोग को सौंपी गई जम्मू क्षेत्र में चिनाब और रावी नदियों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण और अन्य पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए कई उपाय किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि घरों से निकलने वाले ग्रे वाटर से होने वाले नदी प्रदूषण से निपटने के लिए ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में 11 विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली प्रस्तावित की गई हैं।

सकीना इत्तू ने विधानसभा में अनुदान मांगें पेश कीं

जम्मू 12 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सदन के समक्ष अनुदान मांगें पेश कीं। मांगों में स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 1201489.52 लाख रुपये से अधिक नहीं, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 881370.63 लाख रुपये से अधिक नहीं, समाज कल्याण विभाग के लिए 450428.15 लाख रुपये से अधिक नहीं तथा उच्च शिक्षा विभाग के लिए 219340.00 लाख रुपये से अधिक नहीं की राशि शामिल है। विधायक डॉ. शफी अहमद वानी, प्यारे लाल शर्मा, देवेन्द्र कुमार मन्याल, इरशाद रसूल कर, मीर मोहम्मद फैयाज, मुश्ताक अहमद गुरु, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, सुरिंदर कुमार, पीरजादा फिरोज अहमद, चौधरी मोहम्मद अकरम, दिलीप सिंह परिहार, खुर्शीद अहमद, इफ्तिखार अहमद, भारत भूषण, शमीमा फिरदौस, ऐजाज जान, डॉ. नरिंदर सिंह और मेहराज मलिक ने अनुदान की मांग पर चर्चा के दौरान बात की और इन विभागों और उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के संबंध में मुद्दे उठाए। चर्चा कल भी जारी रहेगी।

पीडीपी के वहीद पारा ने एएसी, आईयूएम पर प्रतिबंध का मुद्दा उठाया

श्रीनगर, 04 नवंबर। पीडीपी विधायक वहीद उर रहमान पारा ने सोमवार को श्रीनगर में विधानसभा सत्र के पहले दिन जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे और अनुच्छेद 370 को हटाने का प्रस्ताव पेश किया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद-उर-रहमान ने बुधवार को विधानसभा में आवामी एक्शन कमेटी (एएसी) और इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन पर प्रतिबंध का मुद्दा उठाया।

बहुत ही संक्षिप्त हस्तक्षेप में पारा ने सदन का ध्यान मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाली एएसी और मसरूर अब्बास अंसारी पर प्रतिबंध की ओर आकर्षित किया।

आवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम पहले इस मुद्दे पर चर्चा करें।

मीरवाइज की एएसी पर प्रतिबंध लगाने के बारे में केंद्र ने कोई जानकारी साझा नहीं की : उमर अब्दुल्ला

गुलमर्ग, 12 मार्च। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने उनकी सरकार के साथ ऐसी कोई खुफिया जानकारी साझा नहीं की है जिसके आधार पर मीरवाइज उमर फारूक की अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) पर प्रतिबंध लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि वह इस तरह के फैसलों के पक्ष में नहीं हैं। केंद्र ने मंगलवार को कश्मीर के प्रभावशाली मौलवी मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी और शिया नेता मसरूर अब्बास अंसारी की अगुआई वाली आईएम पर उनकी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, आतंकवाद का समर्थन करने और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। उमर अब्दुल्ला ने गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स के पांचवें संस्करण के समापन के बाद संवाददाताओं से कहा कि मुझे प्रतिबंध का आधार नहीं पता। यह (जम्मू-कश्मीर में) निर्वाचित सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है और जिस खुफिया जानकारी के आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है वह हमारे साथ साझा नहीं की गई है। हालांकि अब्दुल्ला ने कहा कि सिद्धांत रूप में हम इस तरह के फैसलों के पक्ष में कभी नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से मीरवाइज को नजरबंदी से रिहा किया गया है मैंने उनसे कोई आपत्तिजनक बयान नहीं देखा है लेकिन हमें प्रतिबंध के पीछे के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन हम देखेंगे कि भविष्य में इस बारे में क्या करना है।

पुलिस ने छह कुख्यात ड्रग तस्करों के खिलाफ किया मामला दर्ज

श्रीनगर, 12 मार्च। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए श्रीनगर में पुलिस ने मादक पदार्थो के अवैध व्यापार की रोकथाम अधिनियम (पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम) के तहत छह कुख्यात ड्रग तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कुख्यात ड्रग तस्करों में इम्तियाज अहमद शेख पुत्र मोहम्मद रफीक शेख निवासी बेघ मोहल्ला अल्लोचीबाग थाना शारजा बेमिना, आबिद रसूल डार पुत्र गुलाम रसूल डार निवासी चेक कलां कनिहामा बी.के.पोरा, रजा रऊफ मिर्जा पुत्र रउफ अहमद मिर्जा निवासी गुलशन अबाद हैदरपोरा, अज़ान परवियाज ग्लितसाज पुत्र परवियाज अहमद ग्लितसाज निवासी कानी मोहल्ला रैनावारी, जावेद अहमद वानी पुत्र अली मोहम्मद वानी निवासी सोनवार मौजूदा समय में गसू और दानिश अहमद भट पुत्र अब्दुल अहद भट निवासी पंजिनारा शामिल हैं। श्रीनगर पुलिस द्वारा उनके खिलाफ तैयार किए गए डोजियर के आधार पर डिवीजनल कमिश्नर, कश्मीर से औपचारिक हिरासत आदेश प्राप्त करने के बाद पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। नतीजतन इन ड्रग तस्करों को हिरासत में लिया गया और बाद में उधमपुर, पुंछ और राजौरी की जिला जेलों में बंद कर दिया गया।

चिनाब नदी पर 41.78 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला मैत्रा पुल अगस्त 2026 तक पूरा हो जाएगा : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 12 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज कहा कि चिनाब नदी पर 41.78 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला मैत्रा रामबन पुल अगस्त 2026 तक पूरा हो जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में अर्जुन सिंह राजू द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए लोगों और मशीनरी को जुटाया गया है और काम में तेजी लाई गई है। उन्होंने सदन को बताया कि सीआरआईएफ के तहत स्वीकृत मैत्रा रामबन में चिनाब नदी पर पुल के निर्माण में देरी हुई है, क्योंकि एनएचएआई ने इस पुल को तेज गति से चलने वाले मोटर चालित यातायात वाले 4-लेन रामबन फ्लाईओवर के साथ जोड़ने की अनुमति नहीं दी।

मंत्री ने कहा कि अब पुल को पुराने एनएच के साथ जोड़ने की योजना है, जिसके कारण पुल की ऊंचाई 8.5 मीटर बढ़ाई जा रही है और इसकी लंबाई 30 मीटर बढ़ाकर 300 मीटर की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों एबटमेंट की नींव पूरी हो चुकी है, जबकि मैत्रा की तरफ गैंट्री स्थापित हो चुकी है और ढलाई का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि रामबन की तरफ पियरहेड का काम चल रहा है और सेगमेंट/डेक स्लैब की ढलाई का काम शुरू हो गया है।

मॉरीशस ने राष्ट्रीय दिवस समारोह में मोदी को दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पोर्ट लुई 12 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस गणराज्य के 57 वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जहां उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया।

समारोह के दौरान, मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति धर्मबीर गोकुल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को मॉरीशस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कमांडर

ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन (जी.सी.एस.के) अवार्ड से सम्मानित किया। यह पहली बार किसी भारतीय नेता को मॉरीशस ने यह सम्मान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस पुरस्कार को भारत और मॉरीशस के बीच विशेष मित्रता और भारत के 1.4 अरब लोगों और मॉरीशस में उनके 13 लाख भाइयों और बहनों को समर्पित किया।

जम्मू में 9661 कनाल भूमि के लिए राजस्व विभाग को प्रस्ताव भेजा गया

जम्मू, 12 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज सदन को बताया कि कश्मीर संभाग के विभिन्न जिलों में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए लगभग 5000 कनाल भूमि की पहचान की गई है जबकि जम्मू संभाग में 9661 कनाल भूमि के लिए प्रस्ताव राजस्व विभाग को भेजे गए हैं। उपमुख्यमंत्री विधानसभा में राजीव जसरोटिया द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए 14956.15 कनाल भूमि के प्रस्ताव भेजे गए हैं जबकि कश्मीर में पिछले दो वर्षों के दौरान 5532.19 कनाल भूमि हस्तांतरित की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति 2021-30 के लिए फोकस क्षेत्रों में विनिर्माण, आईटी और आईटीईएस, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट, कौशल विकास, पर्यटन और आतिथ्य, फिल्म पर्यटन, बागवानी और कटाई के बाद प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, हथकरघा और हस्तशिल्प और कृषि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत तक सब्सिडी घटकों, टर्नओवर प्रोत्साहन, उद्यमिता और कौशल विकास कोष, व्यापार करने में आसानी, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निवेश प्रोत्साहन एजेंसी के अलावा औद्योगिक शिकायत मंच की स्थापना सहित प्रोत्साहन पैकेज जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति 2021-30 की विभिन्न प्रमुख विशेषताओं में से हैं।

देश में डिजिटल अरेस्ट के मामले और साइबर अपराध तीन गुना बढ़े : सरकार

नई दिल्ली, 12 मार्च। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बताया कि देश में डिजिटल अरेस्ट के मामले और उससे संबंधित साइबर अपराधों में पिछले तीन वर्ष में तीन गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं सरकार ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के तहत 13.36 लाख से अधिक शिकायतों में 4,386 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को बचाया गया है। गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर डिजिटल अरेस्ट और ब्लैकमेल के दर्ज अपराधों के आंकड़े प्रस्तुत किए। आंकड़ों के अनुसार एनसीआरपी पर 2022 में 39,925 ऐसी घटनाएं दर्ज की गईं जिनमें कुल 91.14 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई। वर्ष 2023 में 60,676 ऐसे अपराध दर्ज किए गए जिनमें कुल 339.03 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई। आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में ऐसे मामलों की संख्या लगभग तीन गुना बढ़कर 1,23,672 हो गई। इस दौरान धोखाधड़ी की राशि 21 गुना बढ़कर 1935.51 करोड़ रुपये हो गई। वहीं 2025 में 28 फरवरी तक मात्र दो माह में 17,718 डिजिटल गिरफ्तारी और संबंधित साइबर अपराधों के मामले दर्ज किए गए। इनसे 210.21 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

पलायन करने वाले आदिवासियों में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ

जम्मू 12 मार्च। सरकार ने आज बताया कि पिछले दो वर्षों (2023 और 2024) में या आज तक गुलाबगढ़ निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में भारी बारिश या बाढ़ के कारण आदिवासी समुदाय के किसी भी व्यक्ति की जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

यह बात उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने खुर्शीद अहमद के तारांकित प्रश्न के उत्तर में कही। उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से बोलते हुए सदन को आश्वस्त किया कि सरकार पलायन करने वाले आदिवासी लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार ने बाहुबल की नीति अपनाई है लेकिन अब उसे नरमी दिखानी चाहिए: महबूबा

श्रीनगर, 12 मार्च। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) और अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बाहुबल की नीति अपनाई है लेकिन अब उसे नरमी दिखानी चाहिए।

पीडीपी प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा कि यह अच्छी बात नहीं है मुझे समझ में नहीं आता कि एक तरफ भारत सरकार उमर फारूक (मीरवाइज उमर फारूक) की संवेदनशीलता को समझती है जिसके चलते उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, वहीं दूसरी तरफ उनकी पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वे अपनी बाहुबल की नीति कब तक जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए और अब उन्हें नरमी दिखानी चाहिए

इससे पहले मंगलवार को गृह मंत्रालय (एमएचए) ने घोषणा की कि उसने जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) और जम्मू-कश्मीर स्थित अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) को गैरकानूनी संगठन घोषित किया है और उन पर तत्काल पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। उन पर देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

वायु सेना के लिए ट्रांसपोर्टेबल राडार 'अश्विनी' खरीदे जाएंगे, बीईएल से 2,906 करोड़ रुपये का अनुबंध

नई दिल्ली, 12 मार्च। रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत बनाने के लिए बुधवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,906 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। इस लागत से वायु सेना के लिए लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल राडार अश्विनी खरीदे जाएंगे। इस राडार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रडार विकास प्रतिष्ठान ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है।

नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में आज इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह राडार उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों से लेकर मानव रहित जहाजों तथा हेलीकॉप्टरों जैसे धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम है। इसके अधिग्रहण से भारतीय वायु सेना की परिचालन तैयारियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह कार्यक्रम देश में रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के अलावा विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता को कम करके रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रक्षा मंत्रालय ने इस कार्यक्रम को रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। वायुसेना के लिए यह खरीद भारत के विदेशी रक्षा निर्माताओं पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। अश्विनी राडार देश में विकसित अत्याधुनिक तकनीक के साथ राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने की क्षमता को मजबूत करेगा। बीईएल और डीआरडीओ के संयुक्त प्रयास से विकसित ये स्वदेशी मोबाइल राडार उन्नत सुविधाओं के साथ 4डी निगरानी करने में सक्षम हैं और इन्हें सभी इलाकों में तैनात किया जा सकता है

सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तेजी से क्षमता बढ़ाने की जरूरत : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली. 12 मार्च। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बदलते भू-रणनीतिक परिदृश्य में उभरती सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तेजी से क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

वायु सेना ने एक बयान में बुधवार को कहा कि एयर चीफ मार्शल रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन में स्थायी संकाय के साथ 80वें स्टाफ कोर्स में भाग ले रहे भारतीय सशस्त्र बलों के छात्र अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कोर्स अधिकारियों से बदलाव को अपनाने, उभरते खतरों का गंभीरता से आकलन करने और भविष्य के संघर्षों के लिए अनुकूल रणनीति तैयार करने का आग्रह किया। संयुक्त कौशल के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए तीनो सेनाओं के बीच एकीकृत प्रशिक्षण और परिचालन तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने ने भारतीय वायु सेना की क्षमता विकास पहलों और आधुनिक युद्ध में एकीकृत संचालन के महत्व पर एक रणनीतिक दृष्टिकोण प्रदान किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा में वायुसेना कर्मियों की उपलब्धियों, लचीलेपन और अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश

डाला।

अपनी यात्रा के दौरान वायु सेना प्रमुख को प्रशिक्षण गतिविधियों और सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त कौशल को बढ़ावा देने पर इसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई, जो आधुनिक सैन्य तैयारियों का एक प्रमुख पहलू है। उन्होंने कठोर शैक्षणिक और पेशेवर प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य के सैन्य नेतृत्व को आकार देने में संस्थान की भूमिका की सराहना की।

वायु सेना प्रमुख की इस यात्रा ने संयुक्त परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और अंतर-सेवा सहयोग को मजबूत करने के लिए वायुसेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिससे भविष्य की चुनौतियों के लिए एक अच्छी तरह से तैयार नेतृत्व सुनिश्चित हो सके।

पूरी दुनिया में मशहूर हैं

दस शहर

दुनिया बेहद खूबसूरत है। अगर प्राकृतिक ने हमारी गोद में सुंदरता की बरमार सौगात में दी है तो लोगों ने भी इस दुनिया को सजाने में अपनी मेहनत के रंग भरे हैं। आज हम आपको दिखाते हैं दुनिया के सबसे रंगीन शहर जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

Nyhavn, Copenhagen

डेनमार्क में बसे इस शहर में 17 और 18वीं शताब्दी की इमारतें, बार, कैफ़े, रेस्टोरेंट्स आदि हैं जो लकड़ी, ईंट और प्लास्टर से बने हैं। नहर के पास बने इस शहर की खूबसूरती किसी का भी मन मोह लें।

Buenos Aires, Argentina

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में ला बोका (La Boca) नाम की जगह है जो अपने खुले म्यूज़ियम के लिए मशहूर है। यहां के लोगों ने अपने आस-पड़ोस की दीवारों पर कबाड़ के सामान और बचे हुए रंगों से बहुत ही सुन्दर म्यूरल्स और ग्राफ़िटी बनाई हैं।

St. John's, Newfoundland and Labrador, Canada

सेंट जॉन न्यूफ़ाउंडलैंड, लैब्राडोर की राजधानी है। यह कनाडा के सबसे पुराने शहर हैं, जिसका इतिहास 1400 साल पुराना है। इस जगह का आर्किटेक्चर बहुत ही निराला है क्योंकि पुराने समय में जहाज के कप्तान अपने घर के लिए एक रंग चुनते थे, जिससे समुद्र से घर को आसानी से पहचाना जा सके। यही वजह है कि ये शहर इतना रंगीन है।

Valparaiso, Chile

समुद्र पर बसा वल्परईसो शहर, चिली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गढ़ है। यहां लोगों ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर घरों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया है।

Izamal, Mexico

इस शहर को "मैजिकल सिटी" नाम दिया गया है क्योंकि यहां की इमारतों से सूर्य जैसा पीला रंग छलकता है। पत्थर से बनी सड़कें और लाइमस्टोन के चर्च और सरकारी इमारतें इस शहर की सुंदरता को और बढ़ाती हैं।

Wroclaw, Poland

पोलैंड के इस शहर में पर्यटकों के देखने लायक बहुत सारी चीजें हैं जैसे रेस्टोरेंट, कैफे आदि लेकिन इस शहर का सबसे सुन्दर भाग है, यहां के रंग-बिरंगे घर जो पूरे वातावरण को सजीव बनाता है।

Rio de Janeiro, Brazil

2010 में ब्राज़ील की सरकार ने रिओ की बस्तियों को सजाने का काम शुरू किया था। आज यहां की बस्तियां एक बड़ा सा रंग-बिरंगा कैनवास बन गई हैं। इस इलाके में अब टूरिस्ट्स का तांता लगा रहता है।

Jodhpur, India

भारत के राजस्थान में बसा जोधपुर शहर जो ब्लू सिटी के नाम से मशहूर है। यहां के घरों और इमारतों को रॉयल ब्लू रंग में रंगा गया है। ये प्रचलन जोधपुर के राज परिवार ने शुरू किया था। नीले रंग में रंगा गया ये शहर, शान्ति और शीतलता का एहसास देता है।

Pattaya, Thailand

पट्टाया में सुन्दर बीच तो है ही लेकिन यहां की इमारतों के रंग हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के घर और होटलों को कई रंगों में रंगा गया है जो इस शहर को दुनिया का सबसे रंगीन शहर बनाता है।

Burano Island, Italy

चार आइलैंड के द्वीप समूह में स्थित इस शहर में मोहक सड़कें और नहरें हैं लेकिन उससे भी खूबसूरत यहां की इमारतें हैं जो खूबसूरत रंगों से चमचमाती हैं। यहां खास बात यह है कि यहां सरकार निर्धारित करती है कि आप अपने घर को किस रंग से रंगवा सकते हैं।

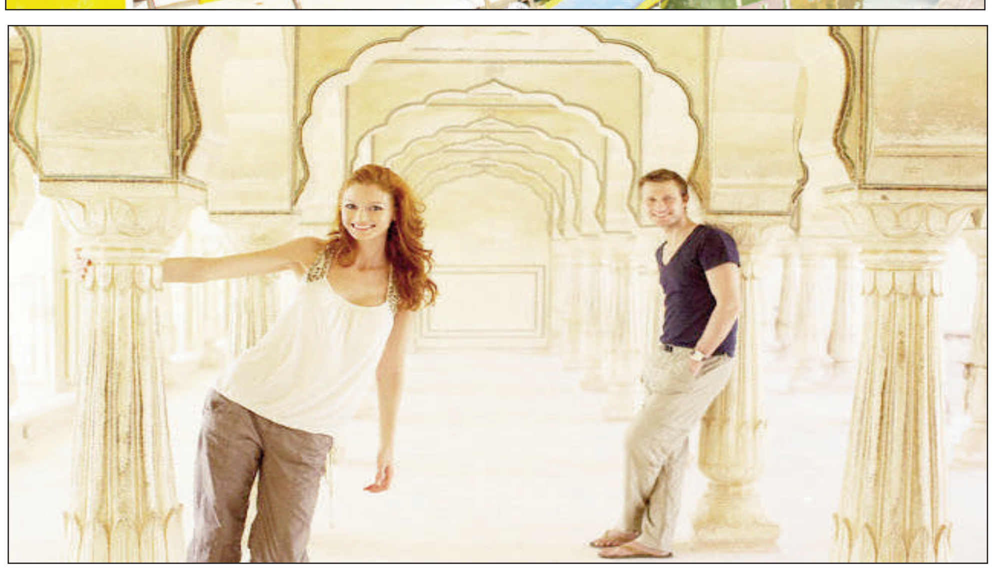

जमीन के ऊपर नहीं

अंदर हैं 10 शानदार झीलें

झीलों की ख़ूबसूरती हमेशा से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। इनकी सुंदरता का जिक्र कई गीतों, शायरों की शायरी और बहुत सारी प्रेम-कहानियों में भी हुआ है। आपने भी वैसे तो बहुत सारी झीलें देखी होंगी लेकिन जिन झीलों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वह रोमांच से भरी पड़ी हैं क्योंकि ये झीलें जमीन पर नहीं बल्कि अंडर ग्राउंड हैं। यह झीलें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

रीड फ्लूट लेक

चीन के तांग वंश के समय में गुइलिन में स्थित रीड फ्लूट लेक लगभग 1300 साल पुरानी है।

वूकेई होल

ब्रिटेन के सामर सेट में स्थित ये गुफ़ा दुनिया के सबसे बड़ी गुफ़ाओं में से एक है।

चेडर नदी घाटी

ब्रिटेन की 9000 साल पुरानी इस घाटी में 1903 में पूर्ण नर कंकाल मिला था। लाइम स्टोन की बनी हुई ये घाटी एक अंडर ग्राउंड नदी का परिणाम है।

मेल्लिअसनी लेक

कैलीफोर्निया में स्थित इस झील की खोज 1943 में आए एक भूकंप की वजह से हुई थी।

लेचुगुइल्ला लेक

मेक्सिको के काल्र्सबैड सवेर्न्स नैशनल पार्क यहां की सबसे बड़ी गुफ़ा में शामिल है, जहां ये झील अपनी छटा बिखेरती है।

सेवर्न लेक

चूना पत्थर से बनी मेक्सिको की गुफ़ाओं में स्थित इस झील में दीवारें एक वॉटर फाल की तरह दिखता है।

बंफ्फ लेक

कनाडा के बंफ्फ नैशनल पार्क में स्थित ये झील अपनी ख़ूबसूरती के लिए दुनियाभर में जानी जाती है।

युकाटन लेक

दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक युकाटन लेक मेक्सिको के मेकन चे में स्थित है।

लुरेई सवेर्न्स

अमरीका के वर्जीनिया में स्थित इस झील को देखने दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं।

हेमिल्टन पुल

टेक्सस में स्थित हेमिल्टन पूल का निर्माण एक गुफ़ा की छत ढहने से हुआ था।

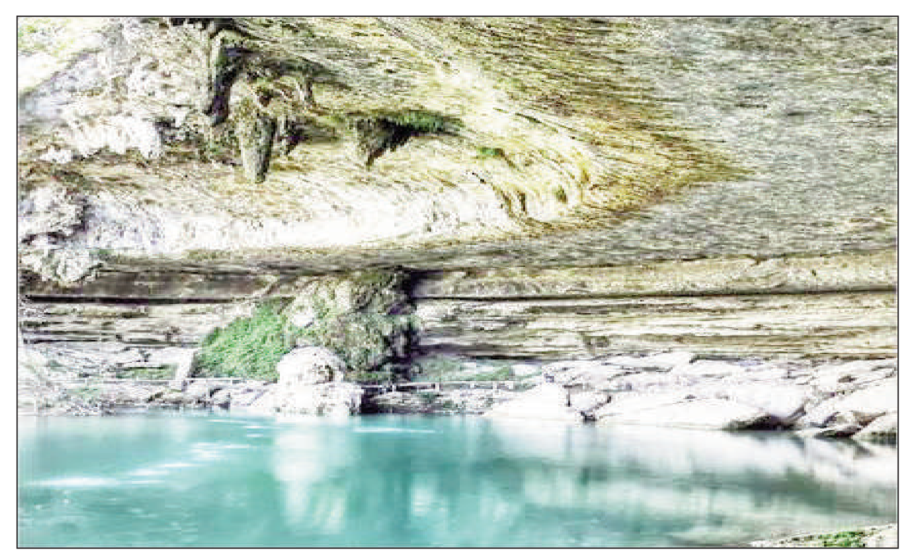

नाव और कुत्तों की सवारी के लिए मशहूर हैं आठ देश

कई तरह की लग्जरी सुविधाओं से लैस ट्रेन, बसों, हवाई जहाज से बहुत सारे सफर किए होंगे, लेकिन कभी बांस की ट्रेन, हाथियों और ऊंट की पीठ पर सवारी की है? शायद नहीं। दुनिया भर में ऐसी कई सारी जगहें हैं जहां टूरिस्टों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में शहर घूमने का मौका मिलता है जो वाकई एक अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। तो ऐसे ही अलग राइड्स का मजा कहां और किससे मिलता है, इसे जानेंगे और जब भी जाने का मौका मिले तो एक बार इनपर सवारी करना तो बनता है।

हजारों सालों से पेरू और बोलीविया के टीटीकाका झील के किनारों पर एक खास तरह की टोटोरा बोट मिलती है जिसे रीड बोट्स भी कहा जाता है। जो दुनिया की सबसे पुरानी बोट्स में शामिल हैं। अलग-अलग साइज में मिलने वाली इन नावों को यहां के ऊरोज जनजाति के लोग अपने हाथों से तैयार करते हैं। ड्रेगन की शेप वाले इस नाव को पुराने जमाने में बुरी आत्माओं को भगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ऐसा लोग मानते हैं। हल्की होने के कारण पानी में ये बहुत ही तेज रफ़्तार से चलती है। जिससे सफर आसानी से कट जाता है और मंजिल तक समय से पहुंच जाते हैं।

नार्वे के शांत वातावरण का एक्सपीरिएंस कुछ अनोखे तरीके से करना हो तो डॉग स्लीडिंग बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के साल्टफेले-स्वार्टिसेन और जॉटुनहाइम नेशनल पार्क अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं जहां तक पहुंचाने में बिनापहिए वाली गाड़ी, जिसे साइबेरियन डॉग खींचते हैं की मदद ली जा सकती है। इस स्लीडिंग का मजा लेने के लिए ओस्लो से 3 घंटे तक का सफर तय करना पड़ता है। टुकटुक, रिक्शे जैसा दिखने वाला वाहन जिसमें आगे साइकिल नहीं बाइक होती है और टुकटुक चलाने वाला बकायदा हेलमेट पहने नजर आएगा। तीन पहिए वाली ये गाड़ी मोटर की मदद से चलती है और इसका भी बहुतायत तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले टुकटुक थाईलैंड में चलाई गई थी उसके बाद ये लाओस, कंबोडिया, पाकिस्तान से होते हुए इंडिया में आईं। धूल और प्रदूषण से परे इसकी सवारी वाकई मजेदार होने के साथ ही अन्य वाहनों के मुकाबले सस्ती भी होती है। ट्रेन, बस, अलग-अलग सुविधाओं वाली कार के होते हुए भी थाईलैंड में लोग हाथी की सवारी करना ज्यादा पसंद करते हैं। शाही सवारी का अनुभव कराने के साथ ही थाईलैंड के जंगलों को घूमने का मजा इसी से आता है। यहां एक छोटा सा हाथियों का गांव भी है जहां जाकर हाथियों को खिला सकते हैं, बेबी एलिफेंट के साथ मस्ती कर सकते हैं और उनके साथ फोटो भी खिंचवा सकते हैं। थाईलैंड साल भर टूरिस्टों से भरा रहता है। तो बीच पर घूमने के अलावा जंगलों की सैर हाथी पर करना भी एक अच्छा ऑप्शन है।कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह के बत्तामबैंग शहर में लोहे की नहीं बल्कि बांस की ट्रेन देखने को मिलती है। बांस की लकड़ियों से बने खांचे के ऊपर छोटे इलेक्ट्रॉनिक इंजन और नीचे पटरी पर आराम से दौड़ने वाले पहिए, वाकई आवाजाही के लिए गजब का इनवेन्शन है। बड़ी-बड़ी ट्रेनों और बसों को पीछे छोड़ कंबोड़िया में लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए ज्यादातर इसका ही इस्तेमाल करते हैं। इसे वहां की सरकार ने भी मान्यता दे रखी है। कंबोडिया के खमेर इलाके में इसे "नौरी" कहते हैं। लेकिन इसकी सबसे अजीबोगरीब चीज है कि लोहे की ट्रेन सामने आने पर इस पर से कूदना पड़ता है।

न्यूजीलैंड शहर को एक्सप्लोर करने की सोच रहे हैं तो इन ट्रांसपेरेंट गेंदों(जोर्ब) की मदद ले सकते हैं। घाटियों और पहाड़ों से लुढ़काई जाने वाली इस गेंद में बहुत स्पेस होता है जिसमें एक या दो नहीं बल्कि कई सारे लोग एक साथ बैठ सकते हैं। जोर्ब की सबसे मजेदार बात होती है कि ये पहाड़ों, सड़कों के अलावा पानी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। वहां के लोग इसे किवी कहते हैं जो बंजी जम्पिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्काईडाइविंग जैसे खेलों जितना ही मजेदार खेल है। रंग-बिरंगी, नियॉन लाइट्स और वूडू पोस्टर्स से सजी हुई बसें ग्वाटेमाला में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसे "चिकन बस" के नाम से पुकारा जाता है। पुरानी बसों को बिल्कुल अलग तरह से तैयार कर इसे स्कूल बस के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों पर इससे सफर करना आसान होता है। पहले बसों में बकरियों और मुर्गियों की भी सवारी होती है इसलिए इस चिकन बस कहा जाने लगा। लेकिन ग्वाटेमाला में सबसे ज्यादा लूट-पाट भी इन्हीं बसों में होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

6 बटालियन सी.आर.पी.एफ. ने नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

कटरा, 12 मार्च (हि.स.)। सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत जम्मू सेक्टर के अन्तर्गत 06 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, द्वारा कटरा ब्लाक के अन्तर्गत कण्डेयार, तरीन, मियारी के गांववासियों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन बुधवार को जिला-रियासी के स्थानीय प्रशासन एवं सी.एच.सी. कटरा के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ के साथ मिल कर किया गया।

जरनैल सिंह पूर्व सरपंच तरीन, मियारी, बनारसी दास नम्बरदार, सोमराज पूर्व पंच एवं श्रीमती सुशमा देवी हेड मास्टर कण्डेयार स्कूल के द्वारा बटालियन के अधिकारियों एवं कार्मिकों और स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उपस्थित पूर्व सरपंच, पूर्व पंचों के द्वारा बताया गया कि सी.आर.पी.एफ. के द्वारा इस प्रकार गाँव-गाँव पहुँचकर कार्यक्रमों का आयोजनों करने से जरूरतमंद ग्रामीण काफी लाभान्वित हुए हैं एवं इसकी प्रशंसा की।

इस अवसर पर राजपाल सिंह (द्वि.क.अधि.) के द्वारा बताया गया कि इस चिकित्सा शिविर का आयोजन सिविक एक्शन प्रोग्राम-2024-25 के अंतर्गत किया जा रहा है जोकि भारत सरकार की एक पहल है जिससे स्थानीय जनमानस लाभान्वित हो सकें। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग इस चिकित्सा शिविर में बहुत उत्साहित होकर सम्मिलित हुए और लाभ उठाया और सभी ग्रामीण वासियों ने भी सीआरपीएफ के कार्यों की सराहना की एवं बहुत धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर राजपाल सिंह (द्वि.क.अधि.), जी.के. हरी (उप कमा.), संजय मोहन्ती (उप कमा.), डॉ. बोचिया कुमारी जानकी (चिकित्सा अधिकारी), उनि/फार्मा. हर्षवर्धन, उपस्थित रहे।

सेना ने राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरक व्याख्यान किया आयोजित

राजौरी, 12 मार्च (हि.स.)। भारतीय सेना ने राजौरी जिले के परोरी गुज्जरान गांव में स्थानीय निवासियों के लिए एक प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान का उद्देश्य साइबर सुरक्षा, खेल, वृक्षारोपण और स्वच्छ एवं हरित भारत पहल सहित विभिन्न विषयों पर स्थानीय युवाओं को शिक्षित और प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में कुल 43 स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। व्याख्यान को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा जिन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के प्रयासों की सराहना की। यह कार्यक्रम स्थानीय निवासियों से जुड़ने और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के भारतीय सेना के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था इस तरह के आयोजनों का आयोजन करके भारतीय सेना का उद्देश्य स्थानीय आबादी के साथ विश्वास और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है साथ ही शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक कल्याण को भी बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की सफलता राष्ट्र की सेवा करने और स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। स्थानीय लोगों के साथ जुड़कर और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देकर भारतीय सेना एक अधिक सूचित, जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान दे रही है।

डीसी कठुआ ने आगामी होली, नवरात्रि त्योहारों की व्यवस्थाओं पर समीक्षा की

कठुआ 12 मार्च (हि.स.)। आगामी होली और नवरात्रि त्योहारों की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए डीसी कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की।

बैठक में इन त्योहारों के सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सुरक्षा उपायों, सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सहायता सेवाएं, स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा उपायों की उपलब्धता, स्ट्रीट लाइटिंग, सफाई और जिले भर में सुचारू परिवहन प्रबंधन जैसे विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

त्योहारों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए डीसी ने विभिन्न विभागों के प्रमुखों को निर्देश जारी किए, जिसमें उनके संबंधित क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन पर जोर दिया गया। त्योहारों के दौरान किसी भी संभावित अप्रिय घटना को कम करने के लिए सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। जल शक्ति विभाग को पीने योग्य पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का जिम्मा सौंपा गया, जबकि पीडीडी को पूरे त्योहार की अवधि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। शहर में स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए नागरिक समाज के सहयोग को प्रोत्साहित किया गया। मुनाफाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग को जिले के सभी बाजारों में जांच करने का निर्देश दिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक वस्तुएं सरकारी अनुमोदित दरों पर बेची जा रही हैं और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं। तहसीलदारों को निर्देश दिया गया कि वे त्योहारों के दौरान यातायात की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यातायात की भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कर्मियों को तैनात करें। बैठक के दौरान धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने विभिन्न मुद्दों के बारे में उपायुक्त को अवगत कराया, जिसके जवाब में डीसी ने प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने त्योहारों के दौरान शांति, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और लोगों से सुचारू उत्सव सुनिश्चित करने में प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र जम्मू में 51 गुम मोबाइल फोन बरामद किए

जम्मू, 12 मार्च (हि.स.)। एसपी ग्रामीण कार्यालय जम्मू की ईएसयू टीम ने 51 मोबाइल फोन बरामद किए इन मोबाइल फोन की गुमशुदगी की रिपोर्ट जम्मू ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों/पुलिस चौकियों में लोगों द्वारा दर्ज कराई गई थी। जैसे ही संबंधित एसएचओ/आईसीपीपी के माध्यम से ईएसयू इकाई तक मोबाइल फोन गुम होने की रिपोर्ट पहुंची।

एसपी ग्रामीण कार्यालय जम्मू की ईएसयू इकाई को गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगाने का काम सौंपा गया और एसपी ग्रामीण जम्मू बृजेश शर्मा-जेकेपीएस के करीबी मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में ईएसयू टीम के ईमानदार प्रयासों से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के विभिन्न जिलों से 51 गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगाया गया।

इन बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 10-10.5 लाख रुपये है और इन मोबाइल फोन की बरामदगी के साथ कई मोबाइल गुम होने की रिपोर्ट बंद हो गई हैं।

बरामद मोबाइल फोन के प्राप्तकर्ताओं ने जम्मू पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया तथा खोए हुए उपकरणों का पता लगाने में उनके प्रयासों की सराहना की। एक विशेष रूप से भावुक क्षण तब सामने आया जब एक माँ को अपनी दिवंगत बेटी का फोन मिला जिससे उसकी आँखों में आँसू आ गए तथा प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित सभी लोग बहुत भावुक हो गए।

सेना ने सुनैल गांव में लड़कियों को डिजिटल कौशल से किया सशक्त

अखनूर, 12 मार्च (हि.स.)। अखनूर सेक्टर के सुनैल गांव में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत 20 युवा लड़कियों के लिए एक बेसिक कंप्यूटर कोर्स का सफल आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना था।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागियों को नेशनल कंप्यूटर लिटरेसी प्रोग्राम के तहत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह पहल न केवल लड़कियों के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बल्कि उन्हें भविष्य में बेहतर करियर अवसरों के लिए भी तैयार करती है।

भारतीय सेना का यह प्रयास डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र, आतंकवाद का मुख्य संचालक : डॉ. ताहिर चौधरी

जम्मू, 12 मार्च (हि.स.)। भाजपा प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने वैश्विक आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका की कड़ी आलोचना की है उन्होंने देश को एक असफल राष्ट्र तथा क्षेत्र में आतंकवाद का मुख्य संचालक बताया है।

डॉ. ताहिर चौधरी, भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा तथा भाजपा नेता सुरिंदर सिंह गिली के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उनकी यह टिप्पणी बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों द्वारा हाल ही में जाफर एक्सप्रेस के अपहरण के बाद आई है जिसमें कम से कम 27 उग्रवादियों की मौत हो गई तथा 37 यात्री घायल हो गए। डॉ. चौधरी ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं के भीतर विद्रोही समूहों को नियंत्रित करने में असमर्थ है जिससे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। उन्होंने कहा पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों के लिए प्रजनन स्थल बना हुआ है जो न केवल अपने नागरिकों के लिए खतरा है बल्कि पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों के जीवन को भी खतरे में डालता है।

थन्नामंडी में चलाया गया वृक्षारोपण अभियान

राजौरी, 12 मार्च (हि.स.)। भारतीय सेना ने बुधवार को थन्नामंडी में वृक्षारोपण अभियान चलाया जिसका उद्देश्य हरियाली, स्वास्थ्य और अधिक संधारणीय भविष्य का निर्माण करना और स्थानीय लोगों में जागरूकता पैदा करना था। इस कार्यक्रम में थन्नामंडी में 21 पुरुष, 32 महिलाएं, 38 बच्चे और 24 सेना के जवानों सहित लगभग 115 लोगों ने भाग लिया। वृक्षारोपण अभियान हरियाली, स्वास्थ्य और अधिक संधारणीय भविष्य के निर्माण की दिशा में एक कदम है। हमारा मानना है कि सामूहिक कार्रवाई से महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। वृक्षारोपण सत्र एक बड़ी सफलता रही। इस कार्यक्रम ने हमारे आस-पास की हरियाली के बारे में जागरूकता लाने में मदद की। इसने पौधों और मनुष्यों के बीच के बंधन को मजबूत करने में भी मदद की। लोगों को बहुत कुछ सीखने को मिला और वे इस महत्वपूर्ण अवसर की यादों को हमेशा संजो कर रखेंगे। भारतीय सेना द्वारा स्कूलों और स्थानीय समुदाय समूहों तक पहुँच ने उन्हें नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस कार्यक्रम का आयोजन वृक्षों के महत्व और जलवायु परिवर्तन से निपटने में उनकी भूमिका पर एक सूचनात्मक सत्र के साथ किया गया था साथ ही प्रतिभागियों और स्थानीय निवासियों को नए लगाए गए वृक्षों की देखभाल और रखरखाव की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। भारतीय सेना, छात्रों और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयासों ने इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। यह कार्यक्रम न केवल लगाए गए वृक्षों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक कदम होगा बल्कि प्रतिभागियों और समुदाय के बीच पर्यावरण को संरक्षित करने के महत्व के बारे में जागरूकता भी बढ़ाएगा।

14 मार्च को जम्मू और कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए

जम्मू, 12 मार्च (हि.स.)। कश्मीरी पंडितों का दुखद इतिहास एक ऐसा घाव है जो भरने से इनकार कर रहा है, राष्ट्र की अंतरात्मा पर एक गहरा दाग है। 14.03.1989। इस दिन प्रभावती कश्मीरी पंडितों के खिलाफ लक्षित हिंसा की पहली दर्ज की गई शिकार बनीं जो मानव इतिहास में सबसे बड़े जबरन पलायन में से एक का अशुभ अग्रदूत था। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति समुदाय की ओर से अब मांग करती है कि इस तिथि को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी जाए और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में घोषित किया जाए ताकि मारे गए लोगों को सम्मानित किया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके दुख को इतिहास से कभी मिटाया न जाए। उनके हिंसक पलायन की निर्विवाद सच्चाई से परे, बहुसंख्यक समुदाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जानबूझकर इनकार करता है, कश्मीरी पंडितों पर किए गए भयावहता को स्वीकार करने से इनकार करता है। इससे भी बदतर उन्होंने इतिहास को फिर से लिखने, तथ्यों को विकृत करने और खुद को दोष से मुक्त करने के लिए झूठी कहानियाँ गढ़ने के एक भयावह मिशन पर काम करना शुरू कर दिया है। धोखेबाज प्रचार और सुनियोजित गलत सूचना के माध्यम से वे झूठ के जाल के नीचे सच्चाई को दफनाना चाहते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि इतिहास खुद ही अपने मिटने का शिकार हो जाए। यह कपटी हेरफेर न केवल पीड़ितों का अपमान है - यह उत्पीड़न का दूसरा अधिक कपटी रूप है। 14 मार्च को शहीद दिवस घोषित करने की मांग केवल यादों के बारे में नहीं है - यह इतिहास को पुन: प्राप्त करने के बारे में है।

जेएमसी ने त्रिकुटा नगर में जन संवाद का किया आयोजन

जम्मू, 12 मार्च (हि.स.)। जम्मू नगर निगम ने आज विकास में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए जन संवाद का आयोजन किया। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने आज विकास गतिविधियों में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और जम्मू के नागरिकों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मार्बल मार्केट त्रिकुटा नगर (वार्ड नंबर 52,53 और 54) में जन संवाद का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जम्मू दक्षिण के विधायक एस. नरिंदर सिंह रैना, विधायक बहू विक्रम सिंह रंधावा, जेएमसी के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने भाग लिया जिन्होंने जनता की शिकायतों और सुझावों को संबोधित करने के लिए सक्रिय रूप से उनसे संपर्क किया। कई प्रमुख नागरिक पूर्व उप महापौर जम्मू बलदेव सिंह बिलौरिया, पूर्व पार्षद, स्वच्छता चैंपियन, राजदूत और आम जनता ने इस संवाद सत्र में भाग लिया। विभिन्न शहरी विकास और नागरिक मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें बारिश के दौरान जलभराव की समस्या के प्रबंधन के लिए नालों का पुनर्गठन, संबंधित वार्डों में जल निकासी के लिए वार्ड विकास कार्य योजना तैयार करना, स्ट्रीट लाइटिंग में सुधार, सार्वजनिक सड़कों और पार्कों का रखरखाव, जल आपूर्ति संबंधी चिंताएं और आवश्यक शहरी सुविधाओं में वृद्धि शामिल हैं।

गुलमर्ग में बारिश और बर्फबारी जारी रहने की संभावना

श्रीनगर, 12 मार्च (हि.स.)। कश्मीर के मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश जारी रही जबकि गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट सहित कुछ ऊपरी इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान फिर से बर्फबारी हुई।

श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हुई जिससे तापमान में गिरावट आई और सामान्य गतिविधियाँ बाधित हुईं।

पिछले 24 घंटों के दौरान गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट सहित कश्मीर घाटी के कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई।

अधिकारियों ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, लेह, कारगिल, द्रास और तंगस्ते में भी इस दौरान हल्की बर्फबारी हुई जिससे तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

बारिश के मापदंडों के बारे में बताते हुए मौसम विभाग ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान कुपवाड़ा में सबसे अधिक 11.2 मिमी बारिश दर्ज की गई इसके बाद पहलगाम में 7.4 मिमी, कोकरनाग, गुलमर्ग में 5.0 मिमी और श्रीनगर में 4.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

ब्लॉक दिवस-डीसी कठुआ ने चक बुलंदा में जनता की शिकायतों को सुना

कठुआ 12 मार्च (हि.स.)। डीसी कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास ने बुधवार को ब्लॉक डिंगा अंब की पंचायत सल्लन के गांव चक बुलंदा में ब्लॉक दिवस की कार्यवाही का नेतृत्व किया, जिसमें स्थानीय निवासियों और अधिकारियों के साथ उनकी शिकायतों और चिंताओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर स्थानीय प्रतिनिधियों ने बाढ़ सुरक्षा बुनियादी ढांचे, सड़कों की मरम्मत, कब्रिस्तानों की बाड़बंदी, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के प्रावधान सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को उठाया। डीसी ने जनता की शिकायतों को ध्यान से सुना और समय पर निवारण का आश्वासन दिया। सभा को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि जन निवारण शिविर आयोजित करने का उद्देश्य लोगों तक पहुंचना, उनकी शिकायतों को सुनना और उनके दरवाजे पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में सेवाओं और जानकारी का विस्तार करना है। लोगों की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए डीसी ने सभी मुद्दों के समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों को प्राथमिकता देने और उनका समय पर समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बाद में डीसी कठुआ ने जीपीएस धाल्टा में कैपेक्स के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में सीपीओ कठुआ रंजीत ठाकुर, मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ, सीएमओ कठुआ, एक्सईएन पीएचई, एक्सईएन आरईडब्ल्यू, सीईओ कठुआ, सहायक आयुक्त पंचायत, तहसीलदार डिंगा अंब और विभिन्न जिला और क्षेत्रीय अधिकारियों ने भाग लिया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

डोडा, 12 मार्च (हि.स.)। स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और उनके उत्थान के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने क्षेत्र के युवाओं के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया। सत्र का उद्देश्य युवाओं को नशीली दवाओं की लत के हानिकारक प्रभाव और स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। व्याख्यान के दौरान हाई स्कूल गेई के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों सहित 70 उपस्थित लोगों को नशीली दवाओं के सेवन के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिणामों के बारे में बताया गया। इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे मादक द्रव्यों का सेवन व्यक्तिगत कल्याण, पारिवारिक संबंधों और कैरियर के अवसरों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सत्र में कानूनी परिणामों और निवारक उपायों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया जिससे युवाओं को नशीली दवाओं से दूर रहने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भारतीय सेना देश के युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और नशा मुक्त और प्रगतिशील समाज को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना जारी रखेगी। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की और युवा पीढ़ी के लिए एक उज्जवल भविष्य को आकार देने में सेना के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

jammutourism.gov.in
e-mail dirtsmjmu@gmail.com

Ph.0191-2520409
Fax. 0191-2548358

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
DIRECTORATE OF TOURISM, TRC RESIDENCY ROAD, JAMMU

सार्वजनिक सूचना

- विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 7 बताती है कि ऑनलाइन फॉर्म सी एक अनिवार्य फॉर्म है जिसे सभी विदेशियों के लिए होटल संचालकों और अन्य लोगों को सरकारी साइट indianfrro.gov.in/ boi.gov.in पर भरना होगा। इसके अलावा, उपरोक्त निर्देशों का पालन न करने पर विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 के तहत 5 साल तक की कैद हो सकती है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।
- होटल/लॉज/होम स्टे/व्यक्तिगत आवास/विश्वविद्यालय/अस्पताल/हॉस्टल/संस्थान और अन्य जो विदेशियों को आवास प्रदान करते हैं, उन्हें विदेशियों के आगमन के 24 घंटे के भीतर पंजीकरण अधिकारियों को फॉर्म सी में रहने वाले विदेशी का विवरण जमा करना होगा। इससे पंजीकरण अधिकारियों को विदेशियों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने में मदद मिलेगी।
- फॉर्म-सी में आने वाले विदेशी मेहमानों के निम्नलिखित विवरण शामिल होने चाहिए

A) आगमन और प्रस्थान की तारीख.
B) सभी विदेशियों का फोटो पहचान प्रमाण।
C) वैध यात्रा दस्तावेजों का विवरण जिसमें वैध पासपोर्ट और वीजा शामिल हैं।
D) यात्रा का उद्देश्य (टिप्पणी कॉलम के तहत जोड़ा जाएगा)।
E) मोबाइल नंबर के साथ भारतीय संदर्भ का नाम।
F) यात्रा किए जाने वाले अगले गंतव्यों के साथ आगे का दौरा कार्यक्रम।

- पैसोंके लिए विदेशी अतिथि की मेजबानी करने वाले किसी भी व्यक्ति को फॉर्म सी जमा करना आवश्यक है। इसमें पर्यटक वीज़ा, बिजनेस वीज़ा, विजिटिंग वीज़ा, रोजगार वीज़ा, मेडिकल वीज़ा, कॉन्फ्रेंस वीज़ा, प्रोजेक्ट वीज़ा, इंटर्न वीज़ा, रिसर्च वीज़ा, पत्रकार वीज़ा आदि भी शामिल हैं।
- मेज़बान को विदेशियों के आगमन/प्रस्थान की सही तारीखों और समय का उल्लेख करते हुए अलग आगंतुक रजिस्टर रखना होगा।
- आपके संबंधित होटल, लॉज, होम स्टे और गेस्ट हाउस आदि में चेक-इन करने वाले विदेशियों की ओर से किसी भी संदेह या चूक के मामले में तुरंत सीआईडी एसबी जम्मू नियंत्रण कक्ष को टेलीफोन नंबर 0191-2584375, 0191-2582621, 6005504514, 8825097826 पर सूचित करें।

No:-DTJ/Reg/12077-80
Dated :12 .03.2025

Sd/-
Deputy Director Tourism, Jammu

DIP/J-11014/24
Dtd: 12-3-2025

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर मूवमेंट कल्कि का प्रदर्शन

जम्मू, 12 मार्च (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि के बैनर तले आज प्रेस क्लब, जम्मू में एक सांकेतिक प्रदर्शन किया गया, जिसमें संगठन के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गौ भक्त शामिल हुए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व मूवमेंट कल्कि के सलाहकार प्रीतम शर्मा और बोर्ड सदस्य करनैल चंद ने किया। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को दोहराना और विधानसभा में सरकार की चुप्पी के खिलाफ विरोध दर्ज कराना था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं ने ज्ञापन लेने के बावजूद इस मुद्दे को विधानसभा में नहीं उठाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की निष्क्रियता के कारण गौ तस्करी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि हाल ही में विक्रम चौक पर पशु तस्करों ने एक युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी टांग टूट गई और गंभीर चोटें आईं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया। इससे पहले भी गौ तस्करी के दौरान घायल हुए कई लोगों को कोई सहायता नहीं मिली। इस मुद्दे पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने कहा कि जब तक गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा नहीं दिया जाता, गौ तस्करी पर सख्त कानून नहीं बनाया जाता और सनातन बोर्ड की स्थापना नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

डीडीसी ने विकास कार्य की करवाई शुरूआत

आरएस पुरा, 12 मार्च (हि.स.)। जिला विकास परिषद सदस्य मीरा साहिब विद्या मोटन तथा बन सुल्तान अपर पंचायत के पूर्व सरपंच एडवोकेट देवराज शर्मा ने बुधवार को पंचायत बन सुल्तान अपर प्रेम नगर में सड़क पर तारकोल डालने का कार्य शुरू करवाया। इस परियोजना के तहत पंचायत कार्य तथा मारलिया के लोगों को भी पक्की सड़क की सुविधा मिलेगी। इस मौके पर पंचायत के अन्य प्रतिनिधि तथा काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर जिला विकास परिषद सदस्य विद्या मोटन ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सरपंच एडवोकेट देवराज शर्मा के साथ मिलकर परियोजना को सांसद जुगल किशोर शर्मा के सहयोग के साथ सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के समक्ष रखा था और परियोजना के तहत आज इस महत्वपूर्ण कार्य को शुरू करवाया गया है जिस पर करोड़ों रुपए की राशि खर्च होगी। उन्होंने कहा कि जिला विकास परिषद सदस्य बनने के बाद उन्होंने लगातार पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पंचायत के विकास के लिए कार्य किया और आज नाबार्ड योजना के सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है और इस कार्य के शुरू होने से तीन पंचायत के लोगों को फायदा मिलेगा।

संपादकीय

सीमा सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया की समीक्षा करें

पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्ष विराम उल्लंघन की हाल की बार-बार की घटनाओं ने एक गंभीर स्थिति पैदा कर दी है, जिससे नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात भारतीय सेना के जवानों और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की समीक्षा करना और उसे फिर से तैयार करना जरूरी हो गया है। पाकिस्तान एक बार फिर सीमाओं पर शांति भंग करने में सक्रिय हो गया है, जिससे तत्काल और रणनीतिक जवाबी कार्रवाई की जरूरत है। इस संबंध में, राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में एक और गोलीबारी की घटना की सूचना मिली है, जहां भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गया और उसे उन्नत उपचार के लिए उधमपुर के कमांड अस्पताल में ले जाया गया। यह घटना सुरक्षा कर्मियों के सामने मौजूद मौजूदा खतरों और सीमाओं पर कड़ी सतर्कता और तैयारियों की तत्काल जरूरत को उजागर करती है।

नवीनतम घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को मुख्य रूप से दो बड़ी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। पहली है लगातार ड्रोन का खतरा और दूसरी, घुसपैठ और बिना उकसावे के गोलीबारी की समस्या। ये दोनों मुद्दे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरे हैं, और इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में पाकिस्तान स्थित तत्वों द्वारा ड्रोन का उपयोग बढ़ गया है, इन मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग भारतीय क्षेत्र में हथियार और गोला-बारूद, नशीले पदार्थ और यहां तक कि नकली मुद्रा की तस्करी के लिए किया जा रहा है। अवैध गतिविधियों के लिए ड्रोन पर बढ़ती निर्भरता ने सुरक्षा चुनौती में एक नया आयाम जोड़ा है, जिसके लिए त्वरित काउंटर-ड्रोन तंत्र और उन्नत निगरानी तकनीकों की आवश्यकता है।

पाकिस्तान से आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ एक पुरानी लेकिन लगातार बनी रहने वाली समस्या है। अनधिकृत प्रवेश को कम करने के लिए सीमा पर अंतराल को भरने में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, पाकिस्तानी हैंडलर शांति और सुरक्षा को अस्थिर करने के इरादे से घुसपैठियों को भारतीय क्षेत्र में धकेलना जारी रखते हैं। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि सीमा पार से बिना उकसावे के गोलीबारी फिर से शुरू हो गई है। 2003 के युद्धविराम समझौते के पुनरुद्धार ने ऐसी घटनाओं में काफी कमी की थी, लेकिन अब ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने यू-टर्न लेते हुए इस खतरे को फिर से हवा दे दी है।

इन मंडराते खतरों को देखते हुए, सीमाओं पर 360 डिग्री सुरक्षा समीक्षा करना और तदनुसार एसओपी को संशोधित करना अनिवार्य हो गया है। सीमाओं पर तैनात जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि हर भारतीय का जीवन कीमती है। सरकार और रक्षा अधिकारियों को तेजी से काम करना चाहिए और जमीन पर आवश्यक बदलावों को लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। कार्रवाई करने का समय अब आ गया है, और सुरक्षा प्रोटोकॉल को फिर से बनाने में कोई भी देरी महंगी पड़ सकती है।

नवोन्मेष का आवाहन

गिरीश्वर मिश्र

शिशिर के बाद फागुन और चैत आते के साथ वसंत ऋतु की दस्तक होती है। वसंत में प्रकृति अपने सौंदर्य का सारा संचित खजाना लुटाने के लिए व्यग्र रहती है। उसके अपने दूत बने पक्षी गाकर, वृक्ष और पादप नए पुष्प और पल्लव के साथ सज-धज कर बड़ी मुस्तैदी से इस व्यग्रता का डंका बजाते चलते हैं। फागुन की मदमाती बयार किसी के भी चित्त को उन्मथित किए बग़ैर नहीं छोड़ती यह सब एक क्रम में कालचक्र की निश्चित गति में आयोजित होता है। प्रकृति नया परिधान धारण करती है। खेतों और बाग-बगीचों में रंगों से अद्भुत चित्रकारी चलती रहती है। पीली सरसों, तीसी के नीले फूल, आम की मंजरी, कोयल की मधुर कूक के बीच प्रकृति एक रमणीय सुंदर चित्र की तरह सज उठती है।

बिना किसी व्यतिक्रम के एक संगति में ये विविधता भरा बदलाव एक नया, अनोखा, आकर्षक और उत्साहवर्धक परिदृश्य रच देता है। नया रमणीय होता है इसलिए मानव चित्त को बड़ा प्रिय लगता है। नए अनुभव के लिए मन में उत्सुकता और उल्लास भरा होता है। अनजाने का आकर्षण अतिरिक्त उत्साह भरता है। वसंत में ऋतु-परिवर्तन का यह रूप सबको बदलने के लिए विवश करता है। इस आलोड़न के चलते लोग वह नहीं रह जाते जो होते हैं। चित्त के परिष्कार से व्यक्ति कुछ का कुछ बन जाता है। जुड़ने और आत्म-विस्तार से ही मनुष्य होने का अर्थ सिद्ध होता क्योंकि एक अकेला व्यक्ति अधूरा ही रहेगा। दूसरों के बीच और दूसरों से जड़ कर ही हमें अस्तित्व की प्रतीति हो पाती है। पारस्परिकता में ही जीवन की अर्थवत्ता समाई रहती है। यह पारस्परिकता भारतीय समाज में उत्सवधर्मिता के रूप में अभिव्यक्त होती है जो ऊर्जावान बनाती है।

जब कालिदास ने उत्सवप्रिया- मानवा- कह कर उत्सवधर्मिता को मनुष्यता का लक्षण घोषित किया था तो उनके ध्यान में होली जैसे मदनोत्सव ही रहे होंगे जिनमें लोग अपनी भिन्नता से ऊपर उठ कर साझे की अस्मिता रचते हैं। अहंकार की सीमाओं को तोड़ एक अतिक्रामी पहचान बानाने का यह उत्सव ज़िंदगी में नीरसता के विरुद्ध रस की ललकार है। ऊपरी भेदों को रंगों में डुबो कर सब को अपने जैसा बनाने और देखने का उद्योग आपसी सौहार्द की भावना को भी जगाता है। यह दुखद है कि आज अस्मिताओं की घोर लड़ाई चल रही है। बड़ी अस्मिता को अंगीकार करना निकटता, साझेदारी और सहयोग का मार्ग प्रशस्त करता है। आज की आधुनिक जीवन-शैली में हम अपने अनोखेपन और दूसरों से अलग पहचान पर बड़ा ज़ोर है। सबकी चाह है कि वस्त्र, भोजन और आभूषण सबकुछ 'कस्टमाइज्ड' और 'डिज़ाइनर' होना चाहिए। अलग लगने और दिखने की अदम्य चाहत से फ़िज़ूलखर्ची, ऊब और थकान भी बढ़ रही है। सबसे अलग होने के क्रम में फ़ैशन की दुनिया में नित्य नए प्रयोग हो रहे हैं जिसके चलते व्यर्थता का अहसास भी बढ़ता जा रहा है। परंतु सत्य यही है कि जन्म के समय मनुष्य के रूप में जैविक शारीरिक आकार प्रकार में व्यापक समानताएँ होती हैं। फिर समाज में रहते हुए हम अलग नाम, काम और धाम के बीच अपनी मौलिक समानताओं से दूरी बढ़ाते जाते हैं। पर सत्य तो यही है कि हम सिर्फ़ एक-दूसरे से भिन्न ही नहीं हैं हम सबमें व्यापक समानताएँ भी हैं। भिन्नताओं के बीच समानताएँ भी गौरतलब होती हैं क्योंकि उसी की बदौलत संवाद, सहयोग और सहकार संभव होता है। इसलिए समानताओं की पहचान खोजना और अनुभव करना भी बेहद ज़रूरी है।

मानव निर्मित संकुचित अस्मिताओं के चलते तनाव, अत्याचार हिंसा और युद्ध ही बढ़ता है। उत्तरदायित्व की जगह लोभ और स्वार्थ के वशीभूत हो कर अत्याचार और अनाचार जीवन को प्रदूषित कर रहे हैं। आज की बिडंबना यही है कि हम अपने अस्तित्व को सबसे अलग-थलग हो कर सिर्फ़ वैयक्तिकता और निजता को समृद्ध और पुष्ट करने की दिशा में गतिशील हो रहे हैं। इसके चलते अकेलेपन के साथ दूसरों के साथ टकराव भी अवश्यंभावी हो जाता है। बंधुत्व और उदारता के साथ सबको जीने का अवसर देकर ही हम सच्चे अर्थों में मनुष्य हो सकेंगे। छोटी अस्मिताओं से ऊपर उठ कर देश, समाज और मनुष्यता के स्तर पर अपनी साझी अस्मिता की वास्तविकता महसूस करते हुए ही मानव कल्याण संभव है। होली की पिछली रात को होलिका दहन में स्वार्थ का दहन कर ही हम होली के वास्तविक आनंद की पात्रता अर्जित करते हैं।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आइए खेलते हैं, हंसी-ठिठोली की होली, प्रेम की पिचकारी से

डॉ. श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

इस वर्ष चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि का आरंभ 14 मार्च को दिन में 12 बजकर 25 मिनट के बाद हो रहा है। इससे पहले तक फाल्गुन पूर्णिमा तिथि रहेगी। ऐसे में 14 मार्च को दिन में प्रतिपदा तिथि लग जाने से रंगोत्सव 14 मार्च को ही मनाया जा रहा है। जबकि होलिका दहन 13 मार्च को किया जा रहा है। होलिका दहन के दिन भद्रा का साया सुबह 10 बजकर 35 मिनट से शुरू हो जाएगा और इसका समापन रात 11 बजकर 26 मिनट तक होगा, इसी के बाद होलिका दहन किया जाएगा। इस दिन भद्रा का साया करीब 13 घंटे का रहेगा।

होलिका के लिए एक पेड़ की टहनी को भूमि में स्थापित किया जाता है और उसे चारों ओर से लकड़ियों, कंडों व उपलों से ढक दिया जाता है। शुभ मुहूर्त में इस संरचना में अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है। इसमें छेद वाले गोबर के उपले, गेहूं की नई बालियां और उबटन अर्पित किए जाते हैं। ऐसा विश्वास किया जाता है कि यह अग्नि व्यक्ति को पूरे वर्ष स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती है और नकारात्मक शक्तियों को नष्ट कर देती है। होलिका दहन के बाद राख को घर लाकर तिलक लगाने की भी परंपरा है। इस दुनिया मे जो भी सुख- दु:ख है वह हम सबके अपने-अपने कर्मों के कारण है। इस दुनियादारी के दु:खों के बीच ही हम थोड़े समय के लिए होली जैसे पर्वों के माध्यम से सुख खोजते है। क्षणिक सुख की यही घड़ी हमें होली पर मदहोश कर देती है और हम विनोद भाव से हंसी-ठिठोली कर होली का रसास्वादन प्राप्त करते हैं।

सत्य यही है कि सारा संसार आज दु:खो की होली खेल रहा है। सभी एक-दूसरे पर पांचों विकारों व उनके वंशों के बदरंगों की बौछार कर रहे हैं । किसी पर काम का रंग चढ़ा है तो किसी पर क्रोध का रंग, कोई लोभ में मदहोश है तो कोई मोह के रंग से रंगा हुआ है। स्वार्थ, इर्ष्या, द्वेष, घृणा, अमानवीयता, आपराधिक आकर्षण और बेवजह की आवश्यकता के सूक्ष्म बदरंगों से तो कोई बचा ही नहीं है। इन सबके मूल में है देह अभिमान का रंग, जिसके कारण आज हम सबकी आत्मा भी बदरंग हो गयी है। जबकि आत्मा का वास्तविक गुण रूपी रंग ज्ञान, शान्ति, प्रेम, सुख, पवित्रता, शक्ति व आनंद का है ,जो कहीं छिप-सा गया है और उसके ऊपर विकारों का कीचड़ आ जाने से सब उल्टा-पुल्टा हो गया है। हम सभी को विकारों के रंग के बजाए आत्मिक रंगों से रंगकर सारे विश्व को आत्ममय बनाना चाहिए। यह आत्मिक रंग एक परमात्मा के सत्संग द्वारा प्राप्त होता है। शिव परमात्मा ही नयी दुनिया के स्थापनार्थ कल्प कल्प संगमयुग में अवतरित होकर अपने आत्मा रूपी बच्चों को अपने संग के रंग से रंगकर आप समान पवित्र बना देते हैं। इसे ही सच्ची होली मनाना भी कहते हैं। होली मनाने के लिए पहले अपवित्रता व बुराईयों को भस्म करना होगा। विकार भाव भूलकर पतित से पावन बनकर हमें आपस में भाई-भाई की वृत्ति रखनी होगी तभी हम अविनाशी रंग का अनुभव कर सकेंगे।

परमपिता परमात्मा शिव ने हमें होली शब्द के तीन अर्थ बताये हैं- पहला होली अर्थात? बीती सो बीती, जो हो गया उसकी चिन्ता न करो तथा आगे के लिए जो भी कर्म करो, योगयुक्त होकर करो। दूसरा होली अर्थात हो गई यानी मैं आत्मा अब ईश्वर अर्पण हो गई, अब जो भी कर्म करना है, वह ईश्वर की मत पर ही करना है। तीसरा होली अर्थात पवित्रता। हमें जो भी कर्म करने हैं, वे किसी भी विकार के वश होकर नहीं वरन पवित्र बुद्धि से करने हैं।

होली का त्योहार हिन्दू वर्ष के अंतिम मास फाल्गुन की पूर्णिमा को मनाया जाता है। जिसे हम सृष्टि चक्र के रूप में भी समझ सकते हैं। सृष्टि चक्र के दो भाग हैं, ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात्रि। ब्रह्मा का दिन है सतयुग-त्रेतायुग। उस समय सभी देवात्मायें ईश्वरीय रंग में रंगी होती हैं। लेकिन जब द्वापरयुग आता है और ब्रह्मा की रात्रि का प्रारंभ होता है तो मानवात्मायें विकारों से ग्रसित हो बदरंग होने लगती हैं। कलियुग के अंत तक तो इतनी बदरंग हो जाती हैं कि अपनी असली पहचान से पूरी तरह दूर चली जाती हैं, तब निराकार परमात्मा शिव धरती पर अवतरित होकर विकारों से बदरंग बनी आत्माओं को अपने संग का रंग लगाते हैं। उन्हें उजला बनाते हैं। उनमें ज्ञान, शान्ति, प्रेम, सुख, आनन्द, पवित्रता, शक्ति आदि गुण भरकर देवतुल्य बना देते हैं। चूँकि यह घटना कल्प के अंत में घटती है इसलिए यादगार रूप में होली का त्योहार भी हिन्दू वर्ष के अंतिम दिन मनाया जाता है। भगवान जब आते हैं तो स्वयं तो ज्ञान-गुणों का रंग आत्माओं पर लगाते हैं। जिन पर ज्ञान-गुणों का रंग लग जाता है, उन्हें अन्य आत्माओं पर भी यह रंग लगाने की प्रेरणा देते हैं।

परमात्मा शिव द्वारा ज्ञान के रंग में मनुष्यों को रंगने का कर्त्तव्य केवल एक या दो दिन नहीं, वर्षभर भी नहीं बल्कि कई वर्षों तक चलता है। ईश्वरीय कर्त्तव्य का यह संपूर्ण काल ही सच्ची होली है। लेकिन भक्तों द्वारा, कई वर्ष चलने वाले ईश्वरीय कर्त्तव्य की यादगार के रूप में केवल एक या दो दिन गुलाल आदि डालकर, लकड़ियाँ और उपले जलाकर होली मना ली जाती है। होली पर हिरण्यकश्यप, होलिका तथा प्रह्लाद की कथा का भी आध्यात्मिक रहस्य है। जो लोग प्रह्लाद की तरह स्वयं को परमात्मा का पुत्र मानते हैं, उन्हीं से परमात्मा की प्रीत होती है और जो लोग हिरण्यकश्यप की तरह मिथ्या ज्ञान के अभिमानी हैं और स्वयं को भगवान मानते हैं, वे विनाश को प्राप्त होते हैं और होलिका की तरह जो आसुरियता का साथ देते हैं, वे भी विनाश को ही पाते हैं। कहते है कि हिरण्यकश्यप ने वर प्राप्त किया था कि 卐न मैं दिन में मरूँ, न रात में', 卐न अंदर मरूँ, न बाहर', 卐न किसी मनुष्य द्वारा मरूँ, न देवता द्वारा' यह भी संगमयुग की ही बात है। यह संगमयुग अतुलनीय युग है। यह न ब्रह्मा का दिन है और न ब्रह्मा की रात्रि, यह दोनों का संगम है। यहाँ न मानव हैं, न देव वरन? तपस्वी ब्राह्मण हैं। इसी लिए तपस्या के बल पर मिथ्या ज्ञान के अभिमान और आसुरी वृत्तियों का अंत होली के रूप में होता है। लेकिन हम इस पवित्र होली को भी अपने हुड़दंग से विषैली बना देते हैं, जिससे बचकर रहने की जरूरत है। तो आइए खेलते हैं सुखों और हंसी - ठिठोली की होली, प्रेम की पिचकारी से, लगाते हैं सद्भावना का गुलाल बन्धुत्व की क्यारी से।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रंग-बिरंगी होती है राजस्थान में होली

रमेश सर्राफ धमोरा

होली का त्यौहार हर साल पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान में भी उसी उत्साह और जोश के साथ होली मनाई जाती है। होली जिसे मूल रूप से 'होलिका' के नाम से जाना जाता है। केवल एक आधुनिक उत्सव नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति में गहराई से अंतर्निहित सदियों पुरानी परंपरा है। इसके शुरुआती संदर्भ जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथक-गृह्य-सूत्र जैसे प्राचीन धार्मिक कार्यों में पाए जा सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि होली आर्य सभ्यता में मनाई जाती थी।

होली का त्योहार वसंत ऋतु की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। होली महोत्सव की विशिष्ट तिथि हर साल अलग-अलग हो सकती है, क्योंकि यह हिंदू कैलेंडर में फागुन महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली के अवसर पर राजस्थान के विभिन्न शहरों में कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। राजस्थान में होली के विविध रंग देखने में आते हैं। होली के दिनों में जयपुर के इष्टदेव गोविंद देव मंदिर में नजारा देखने लायक होता है। राजस्थान के मंदिरों में होली पर रंग-गुलाल के साथ फाग उत्सव का आयोजन किया जाता है।

बीकानेरी होली का सबसे आकर्षण का केन्द्र होता है पुष्करणा समाज के हर्ष व व्यास जाति के बीच खेला जाने वाला डोलची। पानी का खेल डोलची चमड़े से बना एक ऐसा पात्र है जिसमें पानी भरा जाता है व जोरदार प्रहार के साथ सामने बाले की पीठ पर इस पानी को मारा जाता है। बाड़मेर में पत्थर मार होली खेली जाती है तो अजमेर में कोड़ा अथवा सांतमार होली लोग बहुत धूमधाम से मनाते हैं।

भरतपुर के ब्रजांचल में फाल्गुन का आगमन कोई साधारण बात नहीं है। ब्रज के गांव की चौपालों पर ब्रजवासी ग्रामीण अपने लोकवाद्य बम के साथ अपने ढप, ढोल और झांझ बजाते हुए रसिया गाते हैं। डीग क्षेत्र की

ग्रामीण महिलाएं अपने सिर पर भारी-भरकम चरकुला रखकर उस पर जलते दीपकों के साथ नृत्य करती हैं। संपूर्ण ब्रज में इस तरह आनंद की अमृत वर्षा होती है। यह परम्परा ब्रज की धरोहर है। बरसाने, नंदगांव, कामां, डीग आदि स्थानों पर ब्रज की लठमार होली की परम्परा आज भी यहां की संस्कृति को पुष्ट करती है। चैत्र कृष्ण द्वितीया को दाऊजी का हुरंगा भी प्रसिद्ध है। ब्रह्मानगरी पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली ने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमा ली है। यहां विदेशी सैलानियों के साथ स्थानीय और देशी पर्यटक बड़ी धूमधाम के साथ होली खेलते हैं और एक-दूसरे के कपड़े भी फाड़ते हैं।

मेवाड़ अंचल के भीलवाड़ा जिले के बरुन्दनी गांव में होली के सात दिन बाद शीतला सप्तमी पर खेली जाने वाली लठमार होली का अपना एक अलग ही मजा रहा है। माहेश्वरी समाज के स्त्री-पुरूष यह होली खेलते हैं। डोलचियों में पानी भरकर पुरूष महिलाओं पर डालते हैं और महिलाएं लाठियों से उन्हें पीटती हैं। यहां होली के बाद बादशाह की सवारी निकाली जाती है। वहीं शीतला सप्तमी पर चित्तौड़गढ़ वालों की हवेली से मुर्दे की सवारी निकाली जाती है। इसमें लकड़ी की सीढ़ी बनाई जाती है और जिंदा व्यक्ति को उस पर लिटाकर अर्थी पूरे बाजार में निकालते हैं। इस दौरान युवा इस अर्थी को लेकर पूरे शहर में घूमते हैं। लोग इन्हें रंगों से नहला देते हैं।

राज्य के डूंगरपुर जिले की होली सबसे अनोखी मानी जाती है। यहां वांगड़वासी होली के एक महीने पहले ही तैयारियों में जुट जाते हैं और होली के खुमार में मस्त हो जाते है। होली के दिन जिले के कोकापुर गांव में लोग होलिका के दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलने की परंपरा आज भी निभाते है। लोगों का मानना है कि होलिका दहन के अंगारों पर चलने से घर में कोई भी विपदा नहीं आती है। डूंगरपुर के भीलूड़ा में पिछले 200 साल से धुलंडी पर लोग पत्थरमार होली खेल रहे है। लोग रंगों के स्थान पर पत्थर बरसा कर खून बहाने को होली के दिन शगुन मानते है। इस दिन भारी संख्या में लोग रघुनाथ मंदिर परिसर में दो टोलियों बनाकर एक दूसरे पर पत्थर बरसाना शुरू कर देते है। इस खेल में घायल लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया जाता है। इसके अलावा मथुरा के लगता जिला होने के चलते भरतपुर और करौली के नंदगाव में लोग आज भी लट्ठमार होली खेलते है।

शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरुआत तब होती है, जबकि बसन्त अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन-मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है।

शेखावाटी में होली के अवसर पर बजाया जाने वाला चंग भी इसी क्षेत्र में ही विशेष रूप से बनाया जाता है। चंग की आवाज तो ढोलक की माफिक ही होती है, मगर बनावट ढोलक से सर्वथा भिन्न। चंग ढोलक से काफी बड़ा व गोल घेरे नुमा होता है। होली के प्रारम्भ होते ही गांवों में लोग अपने-अपने चंग (ढप) संभालने लगते हैं। होली चूंकि बसंत ऋतु का प्रमुख पर्व है तथा बसंत पंचमी बसंत ऋतु प्रारम्भ होने की द्योतक है। इसलिए इस अंचल में बसंत पंचमी के दिन से चंग (ढप) बजाकर होली के पर्व की विधिवत शुरुआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है।

शेखावाटी अंचल में होली पर कस्बों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरवा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चिताकर्षक वेशभूषा में नंगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं। प्रारम्भ में धीरे-धीरे शुरू हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता जाता है। इसी रफ्तार में डंडों की आवाज भी टकरा कर काफी तेज गति से आती है तथा नृत्य व आवाज का एक अद्भुत दृश्य उत्पन्न हो जाता है।

लोगों का कहना है कि अगर होली के त्यौहार से लोक वाद्य चंग और धमाल को निकाल दिया जाये तो होली का त्यौहार बेजान हो जायेगा। ग्रामीण चंग और धमाल को होली पर्व की आत्मा मानते हैं। आज ये परम्परा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। पहले यहां होली का त्योहार प्यार के साथ मनाया जाता था, सब साथ मिलकर चंग पर धमाल गाते थे लेकिन आजकल वो सब खत्म-सा हो गया है। क्षेत्र में बढ़ते शराब के प्रचलन के कारण लोग रात्रि में घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं तथा गांवों में भी पहले की तरह सामंजस्य नहीं रहा। इसके अलावा ऑडियो कैसेटों के बढ़ते प्रचलन से भी इस लोक पर्व को कृत्रिम-सा बना दिया है। इससे पर्व की मौलिकता ही समाप्त होती जा रही है। यदि समय रहते होली पर व्याप्त हो रही कुरीतियों व शराब के चलन की समाप्ति का प्रयास नहीं किया गया तो यह पर्व अपना मूल रूप खो बैठेगा।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

राजधानी दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री का भव्य आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2025 की शानदार शुरुआत हुई। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 20 देशों के 280 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, जो अगले तीन दिनों में 98 प्रतिस्पर्धाओं में अपना कौशल दिखाएंगे। इन प्रतिभागियों में 195 पुरुष और 85 महिला एथलीट शामिल हैं, जो इसे वैश्विक पैरा एथलेटिक्स कैलेंडर की एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता बनाते हैं।

खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने किया उद्घाटनः उद्घाटन समारोह में भारत सरकार की खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने इस आयोजन को भारत में पैरा खेलों के विकास के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और समर गेम्स 2036 की तैयारियों के तहत ऐसे आयोजन भविष्य में भी होते रहेंगे। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएसआर सुब्रमणि, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया, वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स के प्रतिस्पर्धा प्रमुख मार्टिन चॉर्ली, एशियन पैरालंपिक कमेटी के अध्यक्ष माजिद राशिद,के महासचिव जयवंत जीएच और प्रतियोगिता निदेशक डॉ. सत्यपाल शामिल थे।

लावण्या ने हीरो डब्ल्यूपीजीटी के छठे चरण में बढ़त बनाई

गुरुग्राम। डेब्यू सीज़न खेल रही लावण्या जादोन ने हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के छठे चरण के पहले राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-अंडर 70 का स्कोर किया और एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब के गैरी प्लेयर डिज़ाइन कोर्स पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में लावण्या ने पांच बर्डी और तीन बोगी खेलीं। हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर चल रहीं स्नेहा सिंह ने शानदार शुरुआत की थी और वह 13 होल के बाद 4-अंडर पर थीं। हालांकि, 14वें से 17वें होल तक लगातार चार बोगी करने के कारण उनका स्कोर गिर गया। 18वें होल पर बर्डी लगाने से उन्होंने 1-अंडर 71 का स्कोर किया और वह अन्वी दहिया के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं। अन्वी दहिया, जो एक उभरती हुई अमेचर खिलाड़ी हैं, ने भी प्रभावित किया और 1-अंडर 71 का स्कोर बनाया। उन्होंने पांच बर्डी और चार बोगी खेलीं। पिछले दो टूर्नामेंट जीत चुकीं वाणी कपूर ने 72 का स्कोर किया और चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने नौवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई, लेकिन आठवें और 18वें होल पर बोगी की वजह से स्कोर बराबर रहा।

चोटों के कारण न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका, श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से तीन खिलाड़ी बाहर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को आगामी तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर इसाबेला गेज, तेज गेंदबाज हेले जेन्सन और बल्लेबाज बेला जेम्स चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हो गई हैं। इनकी जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज पॉली इंग्लिस, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका महिला टीम इन दिनों न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां वह वनडे और टी-20 सीरीज खेल रही है। न्यूजीलैंड ने पहले ही वनडे सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया था। वनडे सीरीज में पॉली इंग्लिस और ब्री इलिंग ने डेब्यू किया था, जबकि फ्लोरा डेवोनशायर को अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, हेले जेन्सन और बेला जेम्स पहले ही वनडे सीरीज से बाहर हो चुकी थीं और अब तक फिट नहीं हो पाई हैं। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने एक बयान में कहा, हम सभी इसाबेला, हेले और बेला के लिए दुखी हैं। यह टीम और खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक है, लेकिन हम जानते हैं कि ये तीनों मजबूती से वापसी करेंगी।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2025: चुनौतियों से जूझते भारतीय शटलरों के लिए कठिन परीक्षा

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए इस बार का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप बेहद कठिन साबित हो सकता है। चोटों, फिटनेस समस्याओं और खराब फॉर्म के कारण भारतीय शटलरों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) की ऐतिहासिक जीत के बाद से अब तक कोई भी भारतीय खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित खिताब को नहीं जीत पाया है। हालांकि, पीवी सिंधु, साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत जैसे दिग्गजों ने विश्व स्तर पर कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन ऑल इंग्लैंड ओपन का ताज अब भी भारतीयों की पहुंच से दूर बना हुआ है। इस साल भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पी. वी. सिंधु चोट से उबरकर वापसी कर रही हैं। एच. एस. प्रणय चिकनगुनिया के कारण लय में नहीं हैं।

आयरलैंड के व्यस्त क्रिकेट समर का शेड्यूल जारी, अफगानिस्तान सीरीज रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट आयरलैंड ने मंगलवार (11 मार्च) को घोषणा की कि इस गर्मी में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे महिला और पाकिस्तान महिला टीम आयरलैंड का दौरा करेंगी। इसके अलावा, आयरलैंड की महिला टीम अगले महीने पाकिस्तान में 4 अप्रैल से 19 अप्रैल तक होने वाले वनडे विश्व कप क्वालीफायर में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, थाईलैंड और स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेगी। आयरलैंड वॉल्व्स की टीम 7 अप्रैल से 25 अप्रैल तक यूएई में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी, जिसमें अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए भी शामिल होंगी। इसके बाद, आयरलैंड की पुरुष टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी, जो 21 मई से 25 मई तक क्लॉनटर्फ में आयोजित होंगे। फिर, 12 जून से 15 जून तक क्लॉनटर्फ में ही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज

खेली जाएगी। इसके बाद, जुलाई और अगस्त के बीच 15 जुलाई से 18 अगस्त तक यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग आयरलैंड में होगी, जिसमें आयरलैंड के खिलाड़ी भाग लेंगे। इसी दौरान, 20 जुलाई से 28 जुलाई तक जिम्बाब्वे महिला टीम के खिलाफ पेमब्रोक और स्टॉर्मोंट में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद, 7 अगस्त से 11 अगस्त तक स्टॉर्मोंट में पाकिस्तान महिला टीम के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज होगी। सितंबर में, इंग्लैंड पहली बार आयरलैंड के खिलाफ एक द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगा, जो 17 सितंबर से 21 सितंबर तक मलाहाइड में होगी। हालांकि, इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच, क्रिकेट आयरलैंड ने यह भी स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला अब नहीं होगी। यह श्रृंखला इस वर्ष एक बहु-फॉर्मेट सीरीज के रूप में आयोजित होनी थी, लेकिन इसे रद्द कर दिया गया है। भले ही आईसीसी पर अफगानिस्तान को लेकर कार्रवाई करने का दबाव बढ़ रहा है, लेकिन क्रिकेट आयरलैंड ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने यह निर्णय केवल वित्तीय कारणों से लिया है। क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी वॉरेन ड्यूट्रोम ने कहा, हम हमेशा कहते हैं कि गर्मी का मौसम है तो क्रिकेट जरूर होगा। इस बार आयरिश प्रशंसक दुनिया के कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों को अपने देश में खेलते हुए देख पाएंगे।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मंडाविया ने ईरान को हरा एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने तेहरान में 6 से 8 मार्च 2025 तक आयोजित छठी एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेते हुए शनिवार को मेजबान ईरान को 32-25 से हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। यह कबड्डी टूर्नामेंट 8 साल के अंतराल के बाद वापस आया था। पिछला संस्करण 2017 में ईरान में आयोजित किया गया था, जहाँ भारत ने दक्षिण कोरिया को हराकर ट्रॉफी जीती थी। इस जीत के बाद टीम वापस लौटी और उनकी इस सफलता परभारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने उसे सम्मानित किया। पांचवीं बार ट्रॉफी जीतने पर माननीय मंत्री ने टीम को 67,50,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। सम्मान समारोह के बाद मंत्री ने कहा, हम अपनी महिला एथलीटों को समर्थन देने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। पुरुषों की लीग की तरह हम महिलाओं को अधिक अवसर देने के लिए महिला कबड्डी लीग भी शुरू करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि हमारी लड़कियों को विकसित भारत के विकास में समान अवसर मिलें।

उन्होंने आगे कहा, हैदराबाद में चिंतन शिविर में हमने कॉरपोरेट क्षेत्र से एक खेल अपनाने और सर्वश्रेष्ठ वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। साथ ही ऐसे अकादमियाँ खोलने का भी निर्णय लिया जहाँ एथलीटों को अच्छे कोच मिलें और वे अच्छी कोचिंग दें। हम सरकार की ओर से कबड्डी सहित स्वदेशी खेलों के लिए भी यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

टाइगर वुड्स की हुई एकिलीज टेंडन सर्जरी, वापसी को लेकर अनिश्चितता बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ी टाइगर वुड्स को एक और झटका लगा है। उन्होंने अपने बाएं एकिलीज़ टेंडन की सर्जरी करवाई, जिससे उनकी वापसी पर फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। वुड्स ने बताया कि यह चोट फ्लोरिडा के जुपिटर में घर पर ट्रेनिंग के दौरान लगी। वुड्स ने सोशल मीडिया पर कहा, जैसे ही मैंने अपनी ट्रेनिंग और प्रैक्टिस बढ़ाई, मुझे बाएं एकिलीज़ में तेज दर्द महसूस हुआ। जांच में पता चला कि यह पूरी तरह से फट चुका है। आज सुबह वेस्ट पाम बीच, फ्लोरिडा के 'हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी' में डॉ. चार्लटन स्टकन ने मेरी सर्जरी की, जो सफल रही। डॉ. स्टकन ने भी पुष्टि की कि ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा, लेकिन वुड्स की वापसी को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी गई है।

वुड्स 15 बार के मेजर चैंपियन हैं और लगातार चोटों और सर्जरी से जूझ रहे हैं। पिछले साल

उन्होंने अपनी छठी पीठ की सर्जरी करवाई थी और वह अब भी 2021 की कार दुर्घटना के प्रभावों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह ताजा सर्जरी अगले महीने होने वाले प्रतिष्ठित 'मास्टर्स' टूर्नामेंट से बाहर कर सकती है, जिससे उनके करियर पर और असर पड़ सकता है। वुड्स ने इस सप्ताह टीपीसी सॉग्रास में 'द प्लेयर्स चैंपियनशिप' में हिस्सा नहीं लिया था। इसके पीछे उन्होंने हाल ही में अपनी मां के निधन और अभ्यास की कमी को वजह बताया था। उनका आखिरी आधिकारिक टूर्नामेंट '2024 ओपन चैंपियनशिप' था, जहां वह कट में जगह नहीं बना सके थे। इसके अलावा, वह इस सीजन में ञलरु इवेंट्स में भी खेल चुके हैं। सर्जरी के बाद वुड्स ने कहा, अब मैं घर लौट आया हूं।

इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पौलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने खेले गए मुकाबले में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुचोवा को 6-1, 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियाटेक ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपने दबदबे को और मजबूत कर लिया है। उन्होंने अब तक तीन मैचों में केवल छह गेम गंवाए हैं और अपने शानदार प्रदर्शन से लगातार आगे बढ़ रही हैं। बारिश की वजह से मुकाबले में देरी हुई, लेकिन खेल शुरू होते ही स्वियाटेक ने जोरदार लय पकड़ ली। उन्होंने शुरुआती चार गेम तेजी से अपने नाम किए और पहले सेट में अपनी पहली सर्व पर एक भी अंक नहीं गंवाया। दूसरी ओर, मुचोवा, जो पिछले साल कलाई की सर्जरी से उबरने के बाद यूएस ओपन के

सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, इस मुकाबले में अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं। दूसरे सेट में उनकी गलतियां और ज्यादा बढ़ गईं, जिससे स्वियाटेक ने आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। स्वियाटेक ने केवल 57 मिनट में मैच खत्म किया और एक शानदार सर्व के साथ जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन या यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगा। मैच के बाद स्वियाटेक ने कहा, शुरुआत से ही मुझे लगा कि मैं बढ़त बना सकती हूं। मैंने शुरू में कम गलतियां कीं, जिससे मुझे फायदा मिला। मेरा ध्यान यही था कि कैरोलीना को उनके खेल में वापसी का मौका न दूं और मैं खुश हूं कि मैंने इसे अंत तक बरकरार रखा।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने यॉर्कशायर के साथ 2025 सीजन के लिए करार किया

एजेंसी

लंदन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ 2025 सीजन के लिए करार किया है। वह टीम के दूसरे काउंटी चैंपियनशिप मैच से पहले इंग्लैंड पहुंचेंगे, जो हेडिंग्ले में वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ खेला जाएगा।27 वर्षीय सियर्स अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए अपने एकमात्र टेस्ट मैच में पांच विकेट लिए थे, जिसमें दूसरी पारी में उन्होंने 4 विकेट के बदले 90 रन देकर प्रभावित किया था। उन्होंने 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

बेन सियर्स के साथ न्यूजीलैंड के एक अन्य तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भी यॉर्कशायर टीम में शामिल होंगे, जो इस साल के टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में खेलेंगे। वहीं,

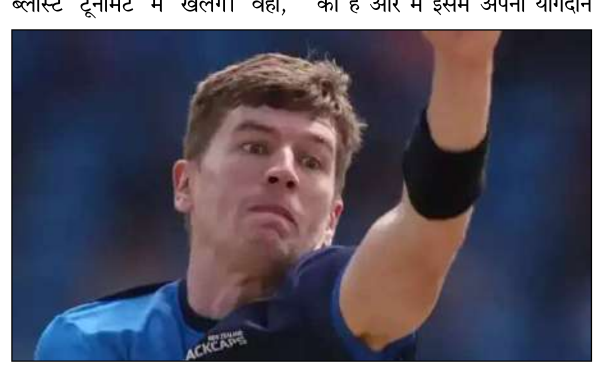

क्लब ने सियर्स की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व यॉर्कशायर खिलाड़ी लॉकी फर्ग्यूसन से भी की है। बेन सियर्स ने अपने चयन पर खुशी जताते हुए कहा,मैं हेडिंग्ले पहुंचने और टीम के साथ खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। क्लब ने कुछ शानदार साइनिंग्स की हैं और मैं इसमें अपना योगदान देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा,सीजन की अच्छी शुरुआत करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हमारे शुरुआती चरण में कुछ बड़े मुकाबले हैं, और मैं टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

यॉर्कशायर के मुख्य कोच एंथनी मैक्ग्रा ने कहा,बेन एक शानदार प्रतिभा हैं, जो अपनी गेंदबाजी में अतिरिक्त उछाल ला सकते हैं। सीजन की शुरुआत में जब पिचें हरी या धीमी हो सकती हैं, तब वह विरोधी टीम के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। मैं उनके आने और उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। वहीं, क्लब के जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा,बेन जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज को क्लब में शामिल करना यह दर्शाता है कि यॉर्कशायर का आकर्षण दुनियाभर के खिलाड़ियों के लिए बना हुआ है। वह एक रोमांचक प्रतिभा हैं और इस सीजन में टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। हम उन्हें अप्रैल में हेडिंग्ले में देखने के लिए उत्सुक हैं।

आईपीएल :पंजाब किंग्स के खिलाड़ी दोबारा धर्मशाला में करेंगे चार दिन का अभ्यास

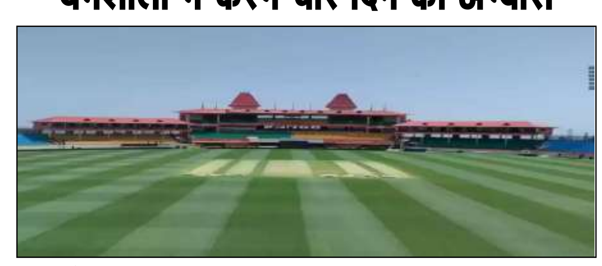

एजेंसी

धर्मशाला।पंजाब किंग्स की टीम इस बार आईपीएल के 18वें सीजन में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयारी में कोई कसर नहीं रखना चाहती है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह पांच दिनों तक अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में अभ्यास करने के बाद अब एक बार फिर से पूरी टीम चार दिनों के अभ्यास कैंप के लिए धर्मशाला पंहुच रही है। इसके लिए पंजाब किंग्स की टीम बुधवार को धर्मशाला पहुंचेगी। जबकि अभ्यास सत्र में वीरवार से टीम भाग लेगी। इस बार पंजाब किंग्स की पूरी टीम तैयारियों को लेकर पसीना बहाएगी। इतना ही नहीं इस बार टीम के कोच रिकी पोंटिंग की अगुवाई में कैप्टन श्रेयस अय्यर भी अभ्यास सत्र में टीम के साथ जुड़ेंगे। श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कमान संभालेंगे और धर्मशाला में अभ्यास सत्र के लिए बुधवार को नहीं पहुंच पाएंगे। हालांकि वीरवार को धर्मशाला पहुंचकर टीम के साथ जुड़ जाएंगे। इसके साथ ही चैंपियन ट्राफी में भारतीय स्कवायड का हिस्सा रहे अर्शदीप सिंह सहित अन्य खिलाड़ी युजवेंद्र चहल, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिश, शशांक सिंह व अन्य खिलाड़ी बुधवार को धर्मशाला पहुंच जाएंगे।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025: आर्मी के जवानों का दबदबा, हिमाचल प्रदेश ने पदक तालिका में ली बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया विंटर गेम्स के दूसरे और अंतिम चरण के तीसरे दिन भारतीय सेना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। आर्मी की चौकड़ी - नरसिंह थापा, राजेश्वर सिंह, सुनील राय और विशाल चंदल ने 49ः58.1 के समय के साथ पुरुषों की स्की माउंटेनियरिंग रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं।

उत्तराखंड की टीम - हिमांशु सिंह, हिमांशु कावन, सुनील राय और विशाल चंदल ने 52:50.97 समय के साथ रजत पदक जीता। राजेश्वर सिंह, जो पिछले तीन वर्षों से स्की माउंटेनियरिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं, ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर खुशी जाहिर की। उन्होंने इससे पहले स्की माउंटेनियरिंग स्प्रिंट स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था।

राजेश्वर, जो इस समय गुलमर्ग स्थित हाई-एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात हैं, ने कहा, आर्मी ने मुझे हमेशा समर्थन दिया है और मेरे वरिष्ठों ने मुझे खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। गुलमर्ग में तैनात होने से मुझे यहां की परिस्थितियों से तालमेल बैठाने में मदद मिली है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं और खेलो इंडिया ने हमारे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच दिया है।

भारतीय सेना ने नॉर्डिक स्कीइंग पुरुषों की 15 किमी स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। आर्मी के सनी सिंह ने 41:04.54 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि स्टैंजिन (41:20.70) ने रजत और थुपस्तान (41:51.38) ने कांस्य पदक जीता। हिमाचल प्रदेश ने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में जबरदस्त बढ़त बनाई। राज्य ने अल्पाइन स्कीइंग महिला स्लालम स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक अपने नाम किए। अंचल ठाकुर (स्वर्ण), तनुजा ठाकुर (रजत) और प्रमिला ठाकुर (कांस्य) ने अपनी श्रेष्ठता साबित की। स्नोबोर्डिंग महिला स्लालम में भी हिमाचल प्रदेश का दबदबा रहा। प्रीति ठाकुर ने स्वर्ण और प्रकृति ठाकुर ने रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र की उर्मिला पाबले ने कांस्य पदक जीता।

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता पहुंचे नाइट राइडर्स

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले अपने अंतिम प्री-सीजन कैंप की शुरुआत करने के लिए सिटी ऑफ जॉय पहुंचे। 12 मार्च से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में होने वाला यह कैंप सीजन ओपनर से पहले टीम की तैयारी का आखिरी चरण होगा।

प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। हेड कोच चंद्रकांत पंडित के नेतृत्व में, सहायक कोच के रूप में ओटिस गिब्सन और टीम के मेंटर के रूप में डीजे ब्रावो के शामिल होने से कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल 2025 अभियान में नई ऊर्जा आएगी। गत चैंपियन 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेंगे।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटनः शी युकी और ली शिफेंग दूसरे दौर में

एजेंसी

लंदन। चीन के शीर्ष वरीय शी युकी ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो को सीधे सेटों में 21-13, 21-8 से हराया।

शी (29) का मुकाबले से पहले वार्डोयो के खिलाफ 4-0 का सिर-से-सिर रिकॉर्ड था और उन्होंने केवल 34 मिनट में विश्व नंबर 34 वार्डोयो (26) को पराजित कर दिया।

शी, जो वर्तमान में विश्व नंबर 1 हैं, अब प्री-क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। चाउ (विश्व नंबर 9) ने फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव को 21-10, 21-12 से मात दी।

शी के हमवतन ली शिफेंग, जिन्होंने दो साल पहले ऑल इंग्लैंड खिताब जीता था, ने कनाडा के ब्रायन यांग को 21-11, 18-21, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब वह टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे। पुरुष युगल में

बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां शीर्ष वरीय डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन पहले ही दौर में बाहर हो गई। उन्हें इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और डेनियल मार्टिन की जोड़ी ने 22-20, 21-18 से हराया। महिला एकल वर्ग में शीर्ष दो वरीय, दक्षिण कोरिया की आन से-यंग और चीन की वांग झीयी, बुधवार को अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। वहीं, तीसरी वरीय जापान की अकाने यामागुची ने पहले दौर में वियतनाम की नगुएन थुई लिन्ह को 21-19, 21-12 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

बार्सिलोना ने बेनफिका को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ़ 16 के दूसरे चरण में बेनफिका को 3-1 से हराकर कुल 4-1 के अंतर से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। कैम्प नू में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजीलियाई फारवर्ड राफिन्हा ने दो गोल दागे, जबकि युवा खिलाड़ी लामिन यामाल ने शानदार गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में लिले और बोरुसिया डॉर्टमुंड के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा।

यामाल का जलवा, बेनफिका बेबस

17 वर्षीय स्पेनिश विंगर लामिन यामाल पूरे मैच में बेनफिका के डिफेंस के लिए सिरदर्द बने रहे। उन्होंने 11वें मिनट में शानदार व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए दो डिफेंडरों को छकाया और राफिन्हा को बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर उन्होंने करीब से वॉली मारकर गोल कर दिया। हालांकि, बेनफिका ने तुरंत वापसी करते हुए निकोलस ओटामेंडी के हेडर से दो मिनट बाद ही बराबरी कर ली। लेकिन बार्सिलोना ने हमलों की झड़ी लगा दी। यामाल ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और डैनी ओल्मो के लिए मौके बनाए और खुद भी बॉक्स के किनारे से एक शॉट लिया जो लक्ष्य से थोड़ा चूक गया। आखिरकार, 28वें मिनट में यामाल ने कमाल का गोल दागा। उन्होंने बेनफिका के डिफेंडर सैमुएल डाहल को चकमा देकर बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया, जो सीधा गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन के टॉप-राइट कॉर्नर में जाकर लगा।

इस गोल के साथ, 17 साल और 241 दिन की उम्र में, यामाल चैंपियंस लीग में एक ही मैच में गोल और असिस्ट करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बेसल के लिए 2014 में ब्रील एंबोलो द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को 22 दिनों से तोड़ दिया।

राफिन्हा का दम, ब्राजीलियाई रिकॉर्ड ध्वस्त

बार्सिलोना ने 42वें मिनट में एक त्वरित काउंटर-अटैक के जरिए अपनी बढ़त को 3-1 कर लिया, जब राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। इस गोल के साथ, उन्होंने इस सत्र में 11 गोल कर चैंपियंस लीग के टॉप स्कोरर बन गए।

28 वर्षीय राफिन्हा एक ही चैंपियंस लीग सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने 10 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए जैर्डेल, रिवाल्डो, काका, नेमार और फिरमिनो को पीछे छोड़ दिया।

दूसरे हाफ में नियंत्रण, बार्सिलोना की शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने आसानी से खेल को नियंत्रित किया, जबकि बेनफिका के पास वापसी करने की ताकत और इच्छाशक्ति नहीं दिखी। मैच के अंतिम क्षण एक ट्रेनिंग सेशन जैसे लगने लगे।

बार्सिलोना इस समय शानदार फॉर्म में है और सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 17 मैचों से अजेय बना हुआ है। टीम ला लीगा में शीर्ष पर है और कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, जहां उसे एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ 2 अप्रैल को दूसरा चरण खेलना है।

राफिन्हा बोले - 'हम हर खिताब के प्रबल दावेदार'

मैच के बाद राफिन्हा ने कहा, हम हर टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार हैं। हमें पता था कि बेनफिका मजबूत टीम है, लेकिन हम पूरी तरह तैयार थे। हमने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया। यामाल का गोल अद्भुत था। वह बेहतरीन क्वालिटी वाले खिलाड़ी हैं और उनके साथ हम कोई भी ट्रॉफी जीत सकते हैं।

किसानों के विरोध के एक दिन बाद नासिक के लासलगांव बाजार में प्याज की नीलामी शुरू

नासिक/नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक में स्थित एशिया में प्याज के सबसे बड़े थोक बाजार में प्याज की नीलामी एक बार फिर शुरू हो गई है। एक दिन पहले प्याज की कीमत में गिरावट के विरोध में किसानों ने कुछ समय के लिए इसकी नीलामी रोक दी थी। किसानों ने कीमतों में गिरावट के खिलाफ पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध-प्रदर्शन किया था। लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) के सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने प्याज पर लागू 20 फीसदी का निर्यात शुल्क हटाए जाने की मांग की। उनका दावा है कि निर्यात शुल्क के कारण कीमतों में गिरावट हो रही है। प्याज की कीमतों में गिरावट के विरोध में करीब 15 किसान पानी की टंकी पर चढ़ गए थे, जिसकी वजह से कुछ समय के लिए इसकी नीलामी भी रोक दी गई थी। लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति में एक दिन पहले नीलामी के लिए 11,500 क्विंटल प्याज मंडी में लाया गया था। प्याज की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए भाव न्यूनतम 1,000 रुपये प्रति क्विंटल, अधिकतम 2,201 रुपये प्रति क्विंटल और औसत 1,800 रुपये प्रति क्विंटल थीं। मंडी में लाल प्याज की कीमतें न्यूनतम 800 रुपये प्रति क्विंटल, अधिकतम 2,005 रुपये प्रति क्विंटल और औसत 1,700 रुपये प्रति क्विंटल थीं, जबकि पांच दिन पहले ये कीमतें 2,250-2300 रुपये थीं। इसी के खिलाफ किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

केंद्र ने उड़द के शुल्क मुक्त आयात को 31 मार्च 2026 तक बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उड़द के शुल्क मुक्त आयात को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया है। घरेलू उत्पादन में कमी के कारण यह कदम उठाया गया है। इससे पहले यह मियाद 31 मार्च 2025 तक थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि उड़द की मुफ्त आयात नीति 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही डीजीएफटी ने जारी अन्य अधिसूचना में पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की समय-सीमा को 31 मार्च, 2025 तक बढ़ाने की जानकारी दी। सरकार के इस इस कदम से घरेलू बाजर में दलहन की कीमतों को स्थिर करने में मदद मिलेगी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में उड़द का आयात अप्रैल से नवंबर के दौरान 60.11 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा है, जिसमें 54.9 करोड़ डॉलर का आयात म्यांमार से किया गया है। भारत, म्यांमार के अलावा सिंगापुर, थाईलैंड और ब्राजील से उड़द का आयात करता है। उल?लेखनीय है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा उड़द उत्पादक और उपभोक्ता भी है। देश में मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और महाराष्ट्र उड़द के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। भारत मुख्य रूप से अपने पड़ोसी देश म्यांमार से उड़द का आयात करता है।

दूरसंचार क्षेत्र में शीघ्र उपयोग में आयेगी सैट जी टेक्नोलॉजी : मित्तल

नयी दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने सैटेलाइट और टेलीकॉम उद्योग वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत को मिलाने का आह्वान करते हुये कहा है कि दूरसंचार उद्योग के लिए, सैटेलाइट तकनीक को जोड़ना अपने ग्राहकों के लिए नई तकनीक लाने से अलग नहीं होना चाहिए। श्री मित्तल ने आज यहां जारी बयान में कहा हाल ही में बार्सिलोना में संपन्न मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2025 में अपने उद्घाटन भाषण में, मैंने टेलीकॉम और सैटेलाइट दोनों कंपनियों से एक साथ काम करने, अपनी ताकत को जोड़ने और समुद्र और आसमान के साथ-साथ दुर्गम क्षेत्रों को कवर करते हुए असंबद्ध को जोड़ने के मिशन को पूरा करने का आह्वान किया। मुझे खुशी है कि सैटेलाइट कंपनियों और टेलीकॉम ऑपरेटरों के बीच भागीदारी की सक्रिय घोषणाओं के साथ इसका पालन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्री मित्तल की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने कल अमेरिकी अरबपति एलेन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ साझेदारी की है जो देश में उपग्रह संचार सेवा देने वाली स्टारलिंक की सेवायें देश में शुरू करेगी। इसी क्रम में जियो प्लेटफॉर्म ने भी आज स्पेसएक्स के साथ साझेदारी करने की घोषणा की है।

उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाओं के लिए जियो ने स्पेसएक्स से हाथ मिलाया

मुंबई। मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) और एलन मस्क की स्पेसएक्स ने भारत में स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। इस समझौते के बाद अब भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों सहित पूरे देश में उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड सेवाएं मिलने लगेंगी। इससे उन दुर्गम इलाकों को भी आसानी से कनेक्ट किया जा सकेगा जहां कनेक्टिविटी पहुंचाना मुश्किल काम है। समझौते में शामिल कंपनियों में से एक जियो जहां दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल ऑपरेटर है तो वहीं स्टारलिंक दुनिया का अग्रणी लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन ऑपरेटर है। जियो के ग्राहकों को स्टारलिंक के सॉल्युशन्स जियो-स्टोर्स के साथ ऑनलाइन भी उपलब्ध होंगे। जियो ने अपने बयान में कहा है कि स्पेसएक्स के साथ समझौते से विश्वसनीय इंटरनेट पूरे भारत में सभी उद्यमों, छोटे और मध्यम व्यवसायों और समुदायों को सुलभ कराया जा सकेगा।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी का भाव भी टूटा

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना आज 320 रुपये से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 1 हजार रुपये किलोग्राम तक कमजोर हुई है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,340

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत और कतर के बीच वित्तीय और आर्थिक सहयोग को मंजूरी : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और बढ़ाने की दिशा के रूप में भारत और कतर के बीच वित्तीय एवं आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर हुए समझौते को पूर्ववर्ती तिथि से मंजूरी दे दी गई है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत और कतर के बीच वित्त मंत्रालयों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) को पूर्वव्यापी मंजूरी दे दी गई है। दोनों देशों के बीच वित्तीय और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की 18 फरवरी, 2025 को भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौता ज्ञापन से दोनों देशों में निवेश के लिए नए और उभरते क्षेत्रों और अवसरों की खोज होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव बलदेव पुरुषार्थ और कतर में भारत के राजदूत मोहम्मद हसन जाबिर अल-जाबिर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों देशों में निवेश के लिए नए एवं उभरते क्षेत्रों और अवसरों की तलाश होने की उम्मीद है। इस समझौता का उद्देश्य

आर्थिक नीतियों, वित्तपोषण साधनों, सार्वजनिक-निजी भागीदारी ढांचे और निवेश में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और विकसित करना है। यह सहयोग कतर के पारस्परिक रूप से लाभकारी और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार के लिए प्रतिबद्धता को संस्थागत रूप देगा।

क्रिजैक लिमिटेड को 1000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता स्थित अग्रणी छात्र भर्ती समाधान प्रदाता क्रिजैक लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 1000 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी ने 18 नवंबर, 2024 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फिर से दाखिल किए थे। यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटरों पिंकी अग्रवाल और मनीष अग्रवाल के बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) के रूप में होगा। इसमें कोई फ्रेश इश्यू शामिल नहीं होगा। क्रिजैक लिमिटेड का 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटर द्वारा शेयरधारकों को बेचने वाले 1,000 करोड़ रुपये तक की बिक्री का प्रस्ताव है। बिक्री के प्रस्ताव में पिंकी अग्रवाल द्वारा 841 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों और मनीष अग्रवाल द्वारा 159 करोड़

रुपये तक की बिक्री शामिल है। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। कोलकाता स्थित छात्र भर्ती समाधान प्रदाता क्रिजैक लिमिटेड एजेंटों और उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों के लिए एक बी2बी शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म है। ये कंपनी यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आयरलैंड गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय छात्र भर्ती समाधान प्रदान करता है। इसका भारत में एक आधार के साथ-साथ लंदन, यूनाइटेड किंगडम में सह-प्राथमिक संचालन भी है। इसके अलावा इसके कैमरून, चीन, घाना और केन्या सहित कई देशों में सलाहकार हैं।

स्विगी ने डिलीवरी पार्टनर के लिए सुलभ इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी लिमिटेड ने सुलभ इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत समझौते स्विगी के डिलीवरी पार्टनर दिल्ली एनसीआर, मुंबई, ठाणे, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में सुलभ शौचालय का निःशुल्क उपयोग कर सकेंगे। इसके साथ ही स्विगी ने 2030 तक शत प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपने डिलीवरी बेड़े में शामिल करने का ऐलान किया है। देश का अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म स्विगी के राजधानी दिल्ली स्थित ट्रांवणकोर पैलेस में आयोजित स्विगी सस्टेनेबिलिटी समिट 2025 का सांसद शशि थरूर ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्विगी के एमडी और समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीहर्ष मजेटी ने सुलभ इंटरनेशनल के अध्यक्ष कुमार दिलीप के साथ साझेदारी की घोषणा की। इसके अलावा 2030 तक 100 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) डिलीवरी बेड़े में बदलाव करने का लक्ष्य घोषित किया।स्विगी सस्टेनेबिलिटी समिट 2025 के उद्घाटन के मौके पर घोषित यह साझेदारी मुंबई, ठाणे, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु चेन्नई और दिल्ली एनसीआर के शहरों सहित प्रमुख शहरों में स्विगी के डिलीवरी पार्टनर्स को स्विगी ऐप पर पंजीकरण दिखाने के बाद सुलभ शौचालय का निःशुल्क उपयोग करने में सक्षम बनाएगी। इसके अलावा स्विगी ने 8 प्रमुख स्तंभों में लक्ष्यों की घोषणा की। इसमें उत्सर्जन में कमी, परिपत्र परिवर्तन प्रदान करना, नेटवर्क और समुदायों का पोषण करना, आजीविका को समृद्ध करना और एक समावेशी कार्यबल का निर्माण करना, पाक विविधता और खाद्य अखंडता को बढ़ावा देना, डिलीवरी पार्टनर सुरक्षा और कल्याण को आगे बढ़ाना, कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता और डिजिटल स्थिरता को गति देना शामिल है। भारत का अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म ने स्विगी ने आज स्विगी सस्टेनेबिलिटी समिट में 2030 तक 100 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) डिलीवरी बेड़े में बदलाव करने का लक्ष्य घोषित किया। कंपनी ने यह भी साझा किया कि 2030 तक वह अपने शत प्रतिशत रेस्तरां भागीदारों को जिम्मेदार पैकेजिंग विकल्पों में बदलाव करने में सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य हासिल करेगा। इसके अलावा कंपनी अपने मूल्य श्रृंखला में बेहतर प्रक्रियाओं और स्वचालन के माध्यम से अपने प्रत्यक्ष संचालन में साल-दर-साल 25 फीसदी तक खराब होने वाले कचरे को कम करने के लिए प्रतिबद्ध जताया। स्विगी यह सुनिश्चित करेगी कि 2025 तक हर स्थानीय रूप से उपलब्ध फसल शत प्रतिशत स्वदेशी रूप से प्राप्त हो, जिससे किसानों का उत्थान हो और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाएं मजबूत हों। इसने स्विगी स्किल्स जैसे कार्यक्रमों के साथ 2030 तक हमारे मूल्य श्रृंखला में 1 मिलियन से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ अपस्किल, रीस्किल करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

एयरटेल ने एलन मस्क के स्पेसएक्स के साथ किया समझौता, भारत में जल्द लॉन्च होगा सैटेलाइट इंटरनेट

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक लाने के लिए एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ एक समझौते पर हस?ताक्षर किया है। हालांकि, ये डील तभी लागू होगी जब स्पेसएक्स को भारत सरकार से स्टारलिंक सेवाएं बेचने की अनुमति मिलेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक लाने के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एयरटेल इस समझौते के तहत स्पेसएक्स के सैटेलाइट इंटरनेट डिवीजन स्टारलिंक के जरिए भारत में अपने ग्राहकों तक हाई-स्पीड

इंटरनेट सेवाएं पहुंचाएगी। एयरटेल के मुताबिक इस साझेदारी के जरिए दूरदराज और इंटरनेट कनेक्टिविटी से वंचित क्षेत्रों में विश्वसनीय ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य है। कंपनी के मुताबिक यह समझौता भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को एडवांस इंटरनेट सर्विस उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने बताया कि इस समझौते के तहत एयरटेल और स्पेसएक्स एयरटेल के रिटेल स्टोर में स्टारलिंक उपकरण ऑफर करने की संभावनाओं को तलाशेंगे। एयरटेल के जरिए बिजनेस कस्टमर्स को स्टारलिंक सर्विसेज ऑफर करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इसके साथ अलावा समुदायों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ने और ग्रामीण इलाकों में सर्विस देने की संभावना तलाशेंगे। उल्लेखनीय है कि स्टारलिंक दूर-दराज के इलाकों को सैटेलाइट के जरिए तेज इंटरनेट से जोड़ने का काम करती है। इसमें कंपनी एक किट उपलब्ध करवाती है जिसमें राउटर, पावर सप्लाई, केबल और माउंटिंग ट्राइपॉड दिया जाता है। हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए डिश को खुले आसमान के नीचे रखा जाता है। इसके अलावा आईओएस और एंड्रॉइड पर स्टारलिंक का ऐप मौजूद है, जो सेटअप से लेकर मॉनिटरिंग करता है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के नोट जारी होंगे

एजेंसी

मुंबई/ नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के नोट जारी करेगा। रिजर्व बैंक के पहले जारी 100 और 200 रुपये के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने जारी बयान में बताया कि वह जल्द ही गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के नोट जारी करेगा। रिजर्व बैंक ने कहा, इन नोटों का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 100 और 200 रुपये के नोटों के समान है। रिजर्व बैंक के मुताबिक पहले जारी किए जा चुके 100 और 200 रुपये के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। गौरतलब है कि संजय

मल्होत्रा ने दिसंबर, 2024 में शक्तिकांत दास की जगह आरबीआई गवर्नर का पद संभाला था।

डॉलर इंडेक्स की कमजोरी से संभली भारतीय मुद्रा, 13 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में बने दबाव के बावजूद मुद्रा बाजार में आज रुपये ने मजबूती दर्ज की। डॉलर के मुकाबले रुपया आज दिन भर के कारोबार के बाद 13 पैसे की मजबूती के साथ 87.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 87.34 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की कमजोरी के साथ 87.38 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया कमजोर होकर 87.39 के स्तर तक पहुंचा। बाद में इसने रिकवरी करके 87.17 रुपये प्रति डॉलर तक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त भारतीय मुद्रा ने सर्वोच्च स्तर से 4 पैसे गिरकर 87.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।डॉलर इंडेक्स में भी आज 0.50 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। डॉलर इंडेक्स आज कमजोर होकर 103.46 के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स ने आज 0.07 अंक की कमजोरी के साथ 103.91 के स्तर से कारोबार की शुरुआती की थी। दिन के कारोबार में ये सूचकांक कमजोर होकर 103.33 के स्तर तक पहुंचा, लेकिन बाद में इसने मामूली रिकवरी के साथ 103.46 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। जानकारों का कहना है कि डॉलर इंडेक्स की कमजोरी से रुपये समेत दूसरी अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की स्थिति में भी सुधार हुआ है। इसके साथ ही 10 इयर ट्रेजरी यील्ड में आई गिरावट की वजह से भी मुद्रा बाजार में रुपया पॉजिटिव रुझान के साथ कारोबार करता रहा। कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजार में वैश्विक दबाव के बावजूद हुई रिकवरी ने भी मुद्रा बाजार में रुपये को काफी सहारा दिया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा बिकवाली करके अपना पैसा निकालना जारी रखने के कारण रुपये की कीमत में ज्यादा सुधार नहीं आ सका।

देश को 15 से 20 वर्षों में 30 हजार पायलटों की होगी जरूरत : राममोहन नायडू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारत को अगले 15 से 20 साल में 30 हजार पायलट की जरूरत होगी। इसकी वजह घरेलू एयरलाइनों ने अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 1,700 से ज्यादा विमानों का ऑर्डर देना है, जबकि वर्तमान में 800 से अधिक विमान हैं।केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयरो क्लब ऑफ इंडिया और शक्ति एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के बीच 200 प्रशिक्षक विमानों के ऑर्डर के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। नायडू ने कहा कि फिलहाल 6,000 से 7 हजार पायलट काम कर रहे हैं। देश को अगले 15 से 20 साल में 30 हजार पायलटों की आवश्यकता होगी। राममोहन नायडू ने कहा कि एयरो क्लब ऑफ इंडिया और शक्ति एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर मुख्य अतिथि बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अधिकारी 38 उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) के विभिन्न पहलुओं का सत्यापन कर रहे हैं और इन संगठनों की रेटिंग की जाएगी। उन्होंने भारत को प्रशिक्षण केंद्र बनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि मंत्रालय विमानन उद्योग के लिए सामूहिक दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक हवाई अड्डों को वर्गीकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें कार्गो और उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) के लिए अलग हवाई अड्डे बनाये जाने की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक सहयोग भारत के एफटीओ को स्वदेशी रूप से निर्मित प्रशिक्षक विमान प्रदान करेगा, जिससे आयात निर्भरता कम होगी और हमारा विमानन प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण विमान पायलट विकास की रीढ़ हैं, ये पहल भारत में कुशल पायलटों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने में एक गेम-चेंजर साबित होगी। इस अवसर पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह और एयरो क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राजीव प्रताप रूडी और शक्ति एविएशन के अध्यक्ष डॉ. एम. मणिकम भी मौजूद रहे। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है।

एलआईसी के समूह और व्यक्तिगत प्रीमियम में 28.29 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2025 के पहले 11 महीनों में समूह वार्षिक नवीकरणीय प्रीमियम और व्यक्तिगत प्रीमियम दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एलआईसी ने बयान जारी कर बताया कि समूह वार्षिक नवीकरणीय प्रीमियम में 28.29 प्रतिशत और व्यक्तिगत प्रीमियम में 7.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। फरवरी 2025 तक एलआईसी का कुल प्रीमियम संग्रह 1.90 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1.86 लाख करोड़ रुपये से 1.90 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, फरवरी 2025 में व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह 1.07 प्रतिशत घटकर 4,837.87 करोड़ हो गया जबकि फरवरी 2024 में यह 4,890.44 करोड़ था। इस दौरान समूह प्रीमियम के तहत कुल 4,898 पॉलिसियां जारी की गई, जो पिछले वर्ष की 4314 पॉलिसियों की तुलना में 13.53 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2025 में एलआईसी ने व्यक्तिगत श्रेणी में 12.02 लाख पॉलिसियां जारी कीं और समूह वार्षिक नवीकरणीय खंड में 1430 पॉलिसियां जोड़ीं, जिससे कुल पॉलिसियों की संख्या 12.04 लाख हो गई।

शुरुआती कमजोरी के बाद संभला शेयर बाजार, सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली।वैश्विक दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार ने आज निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। आज के कारोबार की कमजोर शुरुआत हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के बाद ज्यादातर समय खरीदार बाजार पर हावी नजर आए। लगभग पूरे दिन हुई खरीदारी के कारण शेयर बाजार आज सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ने 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। वही निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, हेल्थ केयर और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 394.53 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 68 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,091 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,490 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,479 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। 122 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,639 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 856 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,783 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 371.29 अंक की कमजोरी के साथ 73,743.88 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक गिर कर 73,663.60 अंक तक चला गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने का थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 530 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 80 अंक की मजबूती के साथ 74,195.17 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि आखिरी कुछ मिनट में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स 12.85 अंक की गिरावट के साथ 74,102.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 114.35 अंक टूट कर 22,345.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

भारतीय अपराधी को नेपाली नागरिकता दिलाने वाले अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू

काठमांडू। फरवरी के महीने में फिलीपींस से प्रत्यर्पण करके लाए गए कुख्यात अपराधी जोगिंदर उर्फ जोगा डॉन को नेपाली नागरिकता और पासपोर्ट उपलब्ध कराने में मदद करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच शुरू की गई है। भारत से अपराध करके नेपाल में दो साल तक रहने वाले जोगा डॉन ने नेपाल के धनुषा जिले से नेपाली नागरिकता का प्रमाण पत्र हासिल किया था। इसी आधार पर उसने नेपाली पासपोर्ट बनवाया और फिलीपींस भाग गया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस की एक विशेष टीम गठन करते हुए इस मामले की जांच शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अपराधी को नेपाली नागरिकता दिलाने में मदद करने वाले सभी लोग और नागरिकता का प्रमाण पत्र जारी करने वाले सरकारी कर्मचारियों को जांच के दायरे में लाया गया है। इसी तरह पासपोर्ट जारी करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि नेपाल पुलिस की जांच से अब तक पता लगा है कि 2018 में जोगा डॉन ने कुछ वर्षों तक नेपाल में रहने बाद धनुषा जिला के जनकपुरधाम से काति गुप्ता के नाम से नागरिकता हासिल की थी। इसी नागरिकता के आधार पर उसने काठमांडू से पासपोर्ट जारी करवाया था।

नेपाल से बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को एसएसबी ने किया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल से बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाते हुए बिहार में घुसपैठ करते पकड़े गए दोनों बांग्लादेशी नागरिक इस समय बिहार के किशनगंज पुलिस की हिरासत में हैं। किशनगंज जिले के गलगलिया बॉर्डर से दो बांग्लादेशी नागरिकों को एसएसबी ने गिरफ्तार किया है। किशनगंज के एसपी सागर कुमार ने इन दोनों की गिरफ्तारी पाठामारी सीमा से किए जाने की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों बांग्लादेशी नागरिक की पहचान सहरियार सजीब खान और सागर के रूप में हुई है जो नेपाल से भारत में एंट्री करने की फिराक में थे। इनके पास न तो नेपाल का वीजा था, ना ही भारत में घुसने का कोई आधिकारिक दस्तावेज। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशियों की तलाशी लेने पर इनके पास से विदेशी मुद्रा, संदिग्ध दस्तावेज, रेलवे टिकट, होटल बुकिंग, इमिग्रेशन संबंधी कागजात और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। स्लोवेनिया और क्रोएशिया के वीजा व निवास परमिट से जुड़े दस्तावेज भी तलाशी में हाथ लगे हैं।

डोमिनिकन गणराज्य में लापता भारतीय मूल के छात्र की तलाश में एफबीआई भी शामिल

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पंटा काना में लापता हुई 20 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा सुदिक्षा कोणांकी की तलाश में अब एफबीआई भी शामिल हो गई है। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय की यह छात्रा 06 मार्च की सुबह रिउ रिपब्लिक होटल के सामने समुद्र तट पर आखिरी बार देखी गई थी। डोमिनिकन पुलिस ने बताया कि कोणांकी के गायब होने से पहले उनके साथ मौजूद लोगों से दोबारा पूछताछ की जा रही है। होटल प्रशासन के अनुसार, उसी समय क्षेत्र में बिजली गुल हो गई थी, जिसके कारण कई मेहमान समुद्र तट की ओर चले गए थे।डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रपति लुइस अबिनादेर ने भी इस घटना पर चिंता व्यक्त की है। सोमवार को उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान कहा, हम इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। सभी सरकारी एजेंसियां खोजबीन में जुटी हुई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अंतिम बार कोणांकी के साथ मौजूद व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि समुद्र में अचानक एक ऊंची लहर आई, जिससे वे बह गईं। हालांकि, इस दावे की सच्चाई की जांच की जा रही है। कोणांकी के माता-पिता सुब्बारायुडु और श्रीदेवी अपने दो पारिवारिक दोस्तों के साथ पंटा काना पहुंचे हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से जांच को और विस्तारित करने की अपील की है।

पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र को प्रचण्ड की नसीहत - लोकतांत्रिक दायरे में रहकर अपना स्थान ढूंढे

काठमांडू। अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करने वाले नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह को माओवादी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचण्ड' ने लोकतांत्रिक दायरे में रहकर अपना स्थान ढूंढने की नसीहत दी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है यदि राजा समर्थकों द्वारा लोकतंत्र के बाहर विकल्प ढूंढने का प्रयास किया गया तो देश में फिर से क्रांति की शुरुआत करनी होगी। संसद के प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए प्रचण्ड ने कहा कि नेपाल ही एक ऐसा देश है जहां राजतंत्र के खात्मे के बाद भी पूर्व राजा और उनके परिवार को सरकारी सुरक्षा के साथ इसी देश में सम्मानजनक तरीके से रहने का अधिकार दिया। प्रचण्ड ने पूर्व राजा को अपनी कोई भी गतिविधि आगे बढ़ाने से पहले विश्व इतिहास के पन्नों को अच्छी तरह देखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में जब वहां के तानाशाह शासकों से सत्ता छीनी जाती है तो उसका हश्र क्या होता है, यह नेपाल के राजशाही समर्थकों को अच्छी तरह से स्मरण में रखना चाहिए। प्रचण्ड ने कहा कि नेपाल में फिर से राजतंत्र लौटाने का दिवा स्वप्न कोई न देखे।

पाकिस्तान ट्रेन हाईजैक : सुरक्षाबलों ने 155 यात्रियों को बचाया, प्रत्यक्षदर्शी बोले- ब्लास्ट और फायरिंग की आ रही थीं आवाजें

एजेंसी
क्वेटा, पाकिस्तान । पाकिस्तान ट्रेन हाईजैक को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक किए जाने के बाद सुरक्षाबलों को आतंकवादियों से अब तक 155 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया है। सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान अब तक 27 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। साथ ही यह भी पता चला है कि जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले आतंकवादी अफगानिस्तान में अपने मददगारों के संपर्क में हैं। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि आत्मघाती हमलावरों ने कुछ बंधक यात्रियों को अपने पास ही रखा है। बंधकों को छुड़ाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, उग्रवादी अलगाववादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की कैद से रिहा हुए प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की आपबीती बताई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने

बताया कि जिस समय ट्रेन को हाईजैक किया गया, उसके बाद लोगों में हड़कंप मच गया और वे चीखने-चिल्लाने लगे। ट्रेन में मौजूद सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए ट्रेन में ही लेट गए थे। इस दौरान हमने ब्लास्ट और फायरिंग की आवाजें भी सुनीं। उन्होंने बताया, मैं और मेरी पत्नी ट्रेन में सवार थे। इसके बाद बंदूकधारियों ने हमें ट्रेन से नीचे उतारा और वहां से सुरक्षित जाने दिया। वहां से निकलने के बाद हम लोग पैदल ही सुरक्षित लौट पाए हैं। बता दें कि पाकिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सैकड़ों यात्रियों को ले जा रही एक यात्री ट्रेन पर गोलीबारी कर उसे हाईजैक कर लिया था। जाफर एक्सप्रेस की नौ बोगियों में लगभग 400 यात्री सवार थे। यह ट्रेन दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी, तभी उस पर गोलीबारी की गई। बीएलए ने दावा किया था कि उसने 100 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया और उसके ऑपरेशन में 6 सुरक्षाकर्मी मारे गए। उसका कहना था कि बंधक बनाए गए लोगों में सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि बीएलए बलूचिस्तान की आजादी चाहता है। यह कई जातीय विद्रोही समूहों में से सबसे बड़ा है, जिसने दशकों से पाकिस्तान सरकार से लड़ाई लड़ी है। संगठन का कहना है कि सरकार बलूचिस्तान के समृद्ध गैस और खनिज संसाधनों का अनुचित तरीके से दोहन कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता से मुलाकात की

एजेंसी
पोर्ट लुईस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने आज मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और विपक्ष के नेता जॉर्जेस पियरे लेसजॉन्गार्ड से मुलाकात की। इससे पहले पोर्ट लुईस में एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस को ग्लोबल साउथ के बीच एक सेतु बताते हुए कहा कि मॉरीशस सिर्फ साझेदार देश नहीं बल्कि भारत के परिवार का हिस्सा है। उन्होंने नये संसद भवन के निर्माण सहित विकास में हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया। मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं। आज के कार्यक्रमों का बेसब्री से इंतजार है, जिसमें समारोह में भाग लेना भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री

डॉ. एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद रहे।उन्होंने विपक्ष के नेता जॉर्जेस पियरे लेसजॉन्गार्ड से भी मुलाकात की। उन्होंने इन दोनों नेताओं से मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर भी साझा की हैं।

लुइस मोंटेनेग्रो की गिरी सरकार, संसद में नहीं हासिल कर पाए जरूरी मत

एजेंसी
लिस्बन । पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए, जिससे उनकी सरकार गिर गई। एक साल से भी कम समय तक चली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। इसमें भाग लेने वाले 224 सांसदों में से केवल मोंटेनेग्रो की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी), पीपुल्स पार्टी (सीडीएस-पीपी) और लिबरल इनिशिएटिव ने उनका समर्थन किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोशलिस्ट पार्टी (पीएस), दूर-दराज़ चेगा, लेफ्ट ब्लॉक (बीई), कम्युनिस्ट पार्टी (पीसीपी), लिवरे और पैन के एकमात्र सांसद ने उनके खिलाफ़ मतदान किया। सटीक वोटों की गिनती तुरंत उपलब्ध नहीं थी, लेकिन संसद के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको ने कहा कि केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार हार गई। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के नेतृत्व वाली दो-पक्षीय गठबंधन सरकार, जो एक

साल से भी कम समय से सत्ता में है, के पास मौजूदा 230 सीटों वाली विधायिका में सिर्फ़ 80 सीटें हैं। विपक्षी सांसदों के भारी बहुमत ने इसके खिलाफ़ मतदान करने की कसम खाई थी। पुर्तगाल के संविधान के तहत, विफल विश्वास मत के लिए सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। मोंटेनेग्रो का प्रशासन अब एक कार्यवाहक क्षमता में काम करेगा, जो केवल आवश्यक और ज़रूरी मामलों को संभालेगा। राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से संसद को भंग करने और अचानक चुनाव कराने की उम्मीद है, जिसके बारे में उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि यह 11 मई या 18 मई को हो सकता है।

पाकिस्तान के लिए बड़ी शर्मिंदगी, राजदूत को एंट्री देने से अमेरिका का इनकार, एयरपोर्ट से ही लौटाया

एजेंसी
इस्लामाबाद। अमेरिका में पाकिस्तान के लिए एक शर्मिंदगी भरी घटना घटी है। यहां शीर्ष पाकिस्तानी राजनयिक को प्रवेश देने से इनकार कर दिया गया और 'विवादास्पद वीजा संदर्भों' के कारण निर्वासित कर दिया गया। यह जानकारी पाकिस्तान के स्थानीय मीडिया ने दी। तुर्कमेनिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत केके वागन कथित तौर पर एक निजी यात्रा के लिए लॉस एंजिल्स जा रहे थे, लेकिन वहां पहुंचने पर अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया। अमेरिकी अधिकारियों ने 'विवादास्पद वीजा संदर्भों' के लिए वागन को तत्काल निर्वासित कर दिया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी अधिकारियों ने यह कदम किन विशिष्ट चिंताओं के कारण उठाया।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने कहा कि उनके अधिकारी निजी यात्रा पर अमेरिका गए थे। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्रालय अमेरिका से दूत के निर्वासन के मामले की जांच कर रहा है। पाकिस्तानी मीडिया ने पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा, राजदूत केके वागन को इमिग्रेशन संबंधी आपत्ति के कारण अमेरिका से निर्वासित किया गया। कई रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वागन को अपना पक्ष स्पष्ट करने के लिए इस्लामाबाद बुलाया जा सकता है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही पाकिस्तान से आने वाले यात्रियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा देंगे। पाकिस्तान के विधि एवं न्याय राज्य मंत्री बैरिस्टर अकील मलिक ने स्वीकार किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में नया अमेरिकी प्रशासन

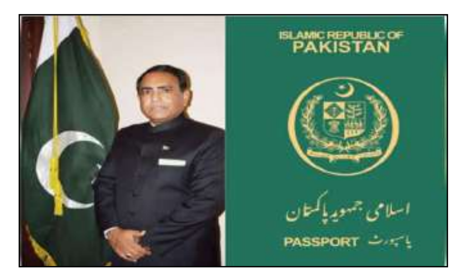

पाकिस्तानी नागरिकों पर कुछ यात्रा प्रतिबंध लगा सकता है। मलिक ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी विदेश विभाग ने अमेरिकी नागरिकों को एक यात्रा सलाह जारी की। इसमें उन्हें आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के कारण पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया।

यूक्रेन को युद्ध विराम प्रस्ताव स्वीकारने का इनाम, अमेरिका फिर से सैन्य मदद को तैयार

एजेंसी
जेद्दा । अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान करने और खुफिया जानकारी साझा करने पर सहमति जताई। वाशिंगटन के 30-दिवसीय युद्ध विराम का समर्थन करने के बाद बाइडेन प्रसाशन ने यह फैसला लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब रूस के समक्ष प्रस्ताव रखेगा, और गेंद मास्को के पाले में है। सऊदी अरब के जेद्दा में यूक्रेनी अधिकारियों के साथ आठ घंटे से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद उन्होंने कहा, 'हमारी आशा है कि रूस जल्द से जल्द 'हां' में जवाब देगा, ताकि हम इस मामले के दूसरे चरण में पहुंच सकें, जो वास्तविक वार्ता है। रूस ने तीन साल पहले यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने का हमला किया था। मौजूदा हालात यह है कि रूस लगातार आगे बढ़ रहा है और अब तक यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर कब्जा कर चुका है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया था। रूबियो ने कहा कि वाशिंगटन रूस और यूक्रेन दोनों के साथ 'जितनी जल्दी हो सके' पूर्ण समझौता करना

चाहता है। उन्होंने कहा, 'हर दिन यह युद्ध जारी रहता है, इस संघर्ष के दोनों पक्षों के लोग मरते हैं, घायल होते हैं।' इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कह चुके हैं कि वे शांति समझौते पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने और उनके राजनयिकों ने बार-बार कहा है कि वे युद्धविराम के खिलाफ हैं और इसकी जगह ऐसा समझौता चाहते हैं जो रूस की दीर्घकालिक सुरक्षा की रक्षा करे। पुतिन ने 20 जनवरी को अपनी सुरक्षा परिषद को बताया कि कोई अल्पकालिक युद्धविराम नहीं होना चाहिए, न ही संघर्ष को जारी रखने के उद्देश्य से सेनाओं को फिर से संगठित करने और पुनः शस्त्रीकरण के लिए किसी प्रकार की राहत होनी चाहिए, बल्कि दीर्घकालिक शांति होनी चाहिए।

उन्होंने क्षेत्रीय रियायतों से भी इनकार किया और कहा कि यूक्रेन को रूस के नियंत्रण वाले चार यूक्रेनी क्षेत्रों से पूरी तरह से हट जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक प्रभावशाली रूसी सांसद ने बुधवार को कहा, समझौते की आवश्यकता की पूरी समझ के साथ कोई भी समझौता - लेकिन हमारी शर्तों पर, अमेरिकी शर्तों पर नहीं।

एक पेड़ मां के नाम : मॉरीशस में पीएम मोदी ने किया पौधारोपण

एजेंसी
पोर्ट लुईस । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत एक पौधा लगाया। इससे पहले, उन्होंने गुयाना की अपनी यात्रा के दौरान भी इसी तरह एक पौधा लगाया है। पीएम मोदी के निरंतर प्रयासों के कारण, इस पहल के परिणामस्वरूप भारत में 1 बिलियन से अधिक पेड़ लगाए गए हैं।पीएम मोदी ने 5 जून 2024 को दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी। इस पहल का प्रभाव भारत के बाहर के देशों में भी फैल गया है। इसके तहत दुनिया भर के लगभग 136 देशों में कुल 27,500 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। पीएम मोदी दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा पर पोर्ट लुईस पहुंचे। सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी का माला पहनाकर स्वागत किया। भारतीय समुदाय की तरफ से पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समुदाय की महिलाओं ने 'गीत गवई' नामक पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से उनका सम्मान किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मॉरीशस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं बहुत प्रभावित हूं। भारतीय विरासत, संस्कृति और मूल्यों से उनका गहरा जुड़ाव वाकई प्रेरणादायक है। इतिहास और दिल का यह बंधन पीढ़ियों से चला आ रहा है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, मॉरीशस में अविस्मरणीय स्वागत से बहुत अभिभूत हूं। यहां की संस्कृति में भारतीयता किस तरह रची-बसी है, उसकी पूरी झलक 'गीत-गवई' में देखने को मिली। हमारी भोजपुरी भाषा मॉरीशस में जिस तरह से फल-फूल रही है, वह हर किसी को गौरवान्वित करने वाली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के राष्ट्रपति और प्रथम महिला को ओसीआई कार्ड सौंपे

एजेंसी
पोर्ट लुईस । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के पहले दिन विशेष सम्मान दिखाते हुए राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल और प्रथम महिला वृंदा गोखूल को ओसीआई (विदेशी भारतीय नागरिक) कार्ड सौंपे। प्रधानमंत्री मोदी ने स्टेट हाउस में राष्ट्रपति गोखूल से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक ÷प्रधानमंत्री ने कहा कि मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में दूसरी बार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के सहयोग से स्थापित स्टेट हाउस में आयुर्वेद गार्डन का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा के लाभों को आगे बढ़ाने में मॉरीशस भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। वार्ता के बाद राष्ट्रपति गोखूल ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति धरम गोखूल को महाकुंभ का पवित्र गंगा जल भेंट किया। यह कुंभ 26 फरवरी को संपन्न हुआ और इसमें 660 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री त्रिवेणी संगम प्रयागराज में एकत्र हुए, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम बन गया। इससे पहले, पीएम मोदी ने पोर्ट लुइस में सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में मॉरीशस के पहले प्रधानमंत्री और संस्थापक पिता सर शिवसागर रामगुलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को भी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स पर लिखा, मैंने मॉरीशस की प्रगति में अमिट योगदान देने वाले दो महान नेताओं सर शिवसागर रामगुलाम और सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ मिलकर एक पौधा भी लगाया। उन्होंने कहा, 'प्रकृति, मातृत्व और स्थिरता को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम के हार्दिक भाव से अभिभूत हूं। उनका समर्थन हरियाली और बेहतर भविष्य के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पीएम मोदी दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा पर पोर्ट लुईस पहुंचे। सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी का माला पहनाकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भी समारोह में भाग लेगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की 2015 के बाद पहली मॉरीशस यात्रा है।

दक्षिण कोरिया : राष्ट्रपति यून को पद से हटाने की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने शुरू की भूख हड़ताल

एजेंसी
सोल । दक्षिण कोरिया के विपक्षी दलों के कुछ सांसदों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। इन्होंने राष्ट्रपति यून सूक योल को उनके पद से आधिकारिक रूप से हटाने के लिए संवैधानिक न्यायालय से फैसला सुनाए जाने की मांग की है। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी), रीबिल्डिंग कोरिया पार्टी और प्रोग्रेसिव पार्टी सहित विपक्षी सांसदों के एक समूह ने भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उन्होंने अदालत से यून को तुरंत बर्खास्त करने का आग्रह किया जिन्हें शनिवार को रिहा कर दिया गया। बता दें यून को 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू करने के नाकाम प्रयास के माध्यम से विद्रोह भड़काने के आरोप में जनवरी में हिरासत में लिया गया था। उन्हें शनिवार को जेल से रिहा कर दिया गया, क्योंकि अभियोजन पक्ष ने शुक्रवार के अदालत फैसले के खिलाफ अपील नहीं करने का निर्णय लिया। अदालत ने यून की हिरासत को अवैध बताया था। हालांकि यून के खिलाफ महाभियोग और आपराधिक मुकदमे जारी रहेंगे। भूख हड़ताल पर बैठे सांसदों ने कहा, यून सुक योल को वापस जेल जाना चाहिए। उन्होंने यून को रिहा करने वाले अभियोजक जनरल शिम वू-जंग के इस्तीफे की भी मांग की और कहा कि सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) को भंग कर दिया जाना चाहिए क्योंकि इसने यून के महाभियोग में बाधा डालने का आरोप लगाया। डीपी प्रतिनिधि पार्क होंग-बे, किम मून-सू और जीन जिन-सूक ने यून को पद से हटाने की मांग करते हुए नेशनल असेंबली की मुख्य इमारत के बाहर अपने सिर मुंडवा लिए। इससे पहले दिन में, डीपी और रीबिल्डिंग कोरिया पार्टी ने अपनी रैलियों को जारी रखने के लिए सोल के ग्वांगह्वामुन में टेंट लगाए। इस बीच, पीपीपी ने कहा कि विपक्ष के जवाब में रैलियां करने या कोई सामूहिक कार्रवाई करने की उसकी कोई योजना नहीं है। इससे पहले, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने हिंसा के किसी भी कृत्य के लिए शून्य सहनशीलता का वचन दिया। दरअसल राष्ट्रपति यून के महाभियोग मुकदमे में जल्द फैसले का ऐलान होने वाला है। ऐसा अंदेशा जताया जा रहा है कि फैसले के दिन हिंसक झड़पे हो सकती हैं जिसे देखते हुए सुरक्षा के सख्त बंदोबस्त किए जा रहे हैं। संवैधानिक न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर ली है और वह यह फैसला सुनाएगा कि यून को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए या नहीं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ मार्च के अंत में करेंगे भारत दौरा

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पत्नी उषा वेंस के साथ मार्च के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। यह जानकारी पोलिटिको ने योजनाओं से परिचित तीन स्रोतों के हवाले से दी। जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह अमेरिकी उपराष्ट्रपति की दूसरी विदेश यात्रा होगी। इससे पहले उन्होंने फरवरी में फ्रांस और जर्मनी की यात्रा की थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी उषा वेंस के माता-पिता भारत से अमेरिका चले गए थे। दूसरी अमेरिकी महिला के रूप में यह उनका अपने पैतृक देश का पहला दौरा होगा। श्रीमती वेंस की मां आणविक जीवविज्ञानी और पिता मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जो आंध्र प्रदेश के मूल निवासी थे और बाद में अमेरिका में बस गए। उपराष्ट्रपति की पहली विदेश यात्रा म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक उग्र भाषण से चिह्नित हुई, जहां उन्होंने अवैध प्रवासन से निपटने, धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी करने और चुनावों को पलटने के लिए यूरोपीय सरकारों की आलोचना की थी। उनकी भारत यात्रा ऐसे समय में भी हो रही है जब दोनों देश 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ फिलिस्तीन समर्थकों ने निकाली रैली

एजेंसी
न्यूयॉर्क । फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने न्यूयॉर्क शहर में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ये प्रदर्शन मध्य पूर्व, कॉलेजों में विरोध और आव्रजन से जुड़ी नीतियों के खिलाफ थे।

समाचार एजेंसी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर वाशिंगटन पार्क से लोअर मैनहट्टन स्थित सिटी हॉल तक मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। पिछले ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क शहर में कोलंबिया विश्वविद्यालय के लिए 400 मिलियन डॉलर की फेडरल फंडिंग को रद्द कर दिया था। उन्होंने यह फैसला यहूदी-विरोधी गतिविधियों को रोकने के आधार पर लिया था। इसके साथ ही, प्रशासन ने अन्य विश्वविद्यालयों की भी समीक्षा शुरू कर दी है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट छात्र महमूद खलील को शनिवार को विश्वविद्यालय के होस्टल से अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के कर्मचारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका के स्थायी निवासी खलील ने बीते साल अप्रैल में शुरू हुए कोलंबिया विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खलील के वकील के अनुसार, खलील की पत्नी एक अमेरिकी नागरिक है और आठ महीने की

गर्भवती है, उन्हें भी आईसीई से धमकियां मिली हैं। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के बाद न्यूयॉर्क शहर में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों की एक नई लहर को बढ़ावा दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, यह आने वाली कई गिरफ्तारियों में से पहली गिरफ्तारी है। हम जानते हैं कि कोलंबिया और देश भर के अन्य विश्वविद्यालयों में ऐसे कई छात्र हैं, जो आतंकवाद समर्थक, यहूदी विरोधी, अमेरिकी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं और ट्रंप प्रशासन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।मार्च के दौरान कई प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनी झंडे और बैनर लहराए थे, जिन पर लिखा था महमूद खलील को रिहा करो।एक प्रदर्शनकारी रूबी मार्टिन ने कहा, यह पहले संशोधन के खिलाफ है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अपने छात्रों की गिरफ्तारी में आईसीई की मदद कर रहा है, जो गलत और अस्वीकार्य है। मार्टिन ने कहा कि वह विशेष रूप से इस बात से चिंतित हैं कि कोलंबिया विश्वविद्यालय ने छात्रों को गिरफ्तार करने के लिए परिसर की संपत्ति पर आईसीई को अनुमति दी। वह मंगलवार रात को खलील की रिहाई की मांग करने वाले एक अन्य मार्च में भी भाग लेंगी।

न्यूयॉर्क के दो विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर कैथरीन विल्सन ने कहा, विश्वविद्यालय लंबे समय से इस गड़बड़ी में शामिल है। इसे रोकने का समय आ गया है।

स्थानीय समाचार

जेकेआरटीसी कठुआ में बस सेवाएं संचालित कर रही है: जावेद डार

जम्मू, 12 मार्च। भारत भूषण द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, आरडीडी मंत्री जावेद अहमद डार ने परिवहन मंत्री सतीश शर्मा की ओर से उत्तर देते हुए कहा कि जेकेआरटीसी वर्तमान में जिले में जम्मू से मायेडी लोहाई और जम्मू से बनी लोवांग तक दो बस मार्ग संचालित कर रहा है।

मंत्री ने आगे बताया कि जेकेआरटीसी द्वारा संचालित सभी अंतर्राज्यीय बसें अपनी अप और डाउन यात्राओं के दौरान कठुआ जिले से होकर गुजरती हैं।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कोविड-19 महामारी के दौरान, सरकारी एसओपी के अनुसार बस सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं, और जेकेआरटीसी का पूरा बेड़ा जम्मू स्थित यात्रियों को लखनपुर से केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न जिलों में ले जाने में लगा हुआ था।

डार ने आगे कहा कि समय के साथ, जेकेआरटीसी का बेड़ा पुराना हो गया है और इसे नीलामी के लिए चुना गया है, जिसकी प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। इन चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने आश्वासन दिया कि जेकेआरटीसी, अपने सीमित बेड़े के साथ, जम्मू-कश्मीर में जनता की परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और निकट भविष्य में अतिरिक्त बस सेवाओं को फिर से शुरू करने के तरीकों की सक्रिय रूप से खोज कर रहा है।

कश्मीर में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए 5000 कनाल भूमि की पहचान की गई: उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 12 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि कश्मीर संभाग के विभिन्न जिलों में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए 5000 कनाल भूमि की पहचान की गई है, जबकि जम्मू संभाग में राजस्व विभाग को 9661 कनाल भूमि का इरादा सौंपा गया है।

उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में राजीव जसरोटिया द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए 14956.15 कनाल भूमि का प्रस्ताव रखा गया है, जबकि कश्मीर में पिछले दो वर्षों के दौरान 5532.19 कनाल भूमि हस्तांतरित की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति 2021-30 के लिए फोकस क्षेत्रों में विनिर्माण, आईटी और आईटीईएस, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट, कौशल विकास, पर्यटन और आतिथ्य, फिल्म पर्यटन, बागवानी और कटाई के बाद का प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, हथकरघा और हस्तशिल्प और कृषि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन पैकेज जिसमें 100 प्रतिशत तक सब्सिडी घटक, टर्नओवर प्रोत्साहन, उद्यमिता और कौशल विकास कोष, व्यापार करने में आसानी, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निवेश प्रोत्साहन एजेंसी, औद्योगिक शिकायत मंच की स्थापना शामिल है, जम्मू और कश्मीर औद्योगिक नीति 2021-30 की विभिन्न प्रमुख विशेषताओं में से हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य और औषधि नियंत्रक, कृषि, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, श्रम, वन, बिजली विकास विभाग, अग्निशमन, उच्च न्यायालय, आवास और शहरी विकास, उद्योग और वाणिज्य जैसे विभागों के साथ श्रम, संपत्ति पंजीकरण, सिंगल विंडो निकासी प्रणाली और केंद्रीय निरीक्षण ढांचे जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण सुधार और उपाय जिला स्तरीय बीआरएपी के तहत कार्यान्वित किए जा रहे हैं, जिससे एक सुचारू नियामक पारिस्थितिकी तंत्र बन रहा है।

उद्योग क्षेत्र को बढ़ावा देने और इसे निवेशक अनुकूल गंतव्य बनाने के लिए जम्मू और कश्मीर द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत पहलों में नई केंद्रीय क्षेत्र योजना, 2021, जम्मू और कश्मीर औद्योगिक नीति, 2021-30, जम्मू और कश्मीर औद्योगिक भूमि आवंटन नीति, जम्मू और कश्मीर निजी औद्योगिक एस्टेट विकास नीति, जम्मू और कश्मीर में औद्योगिक क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने की नीति, 2022, जम्मू और कश्मीर एकल खिड़की नियम, 2021, टर्नओवर प्रोत्साहन योजना, 2021, जम्मू और कश्मीर ऊन प्रसंस्करण, हथकरघा और हस्तशिल्प नीति 2020, सहकारी समितियों/ स्वयं सहायता समूहों के लिए वित्तीय सहायता योजना, 2020, कारीगरों और बुनकरों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना, जम्मू और कश्मीर में शिल्प क्षेत्र के विकास के लिए कारखंडर योजना, 2021, निर्यात सब्सिडी योजना, 2021, हथकरघा और हस्तशिल्प विभाग के कारीगरों/बुनकरों के लिए संशोधित शिक्षा योजना 2022 और जेके स्टार्ट-अप पॉलिसी 2024-27 शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि आवंटन आवेदनों के मूल्यांकन मानदंडों में विशेष अंक रखे गए हैं, ताकि महिलाओं को उनकी भागीदारी के आधार पर उच्च योग्यता प्राप्त हो।

उन्होंने कहा कि नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत, सीम, ठाकरान, जिला उधमपुर में 1347 कनाल भूमि में से 329 कनाल भूमि पर महिलाओं के लिए एक विशेष औद्योगिक एस्टेट की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों द्वारा 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला कोई भी व्यावसायिक उद्यम नामित औद्योगिक एस्टेट में आवंटन के लिए आवेदन करने के लिए योग्य होगा।

उन्होंने बताया कि विभाग ने पिछले 2 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय/संघ राज्य क्षेत्र महत्व की विकास परियोजनाओं में लगे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचआईडीसीएल, इरकॉन, रिंग रोड, पीडब्ल्यूडी (आरएंडबी), पीएमजीएसवाई, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण आदि की विभिन्न निष्पादन एजेंसियों को अल्पावधि/निपटान परमिट प्रदान किए हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विभाग/सरकार ने जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के पक्ष में 36 चूना पत्थर खनन पट्टे, 24 खनिज जिप्सम खनन पट्टे, ई-नीलामी वाले लघु खनिज ब्लॉकों के 202 खनन पट्टे, 8 खनन पट्टे आरक्षित/अनुदानित किए हैं, जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए प्रमुख निर्माण सामग्री प्रदान करने के लिए राज्य भूमि पर एक क्लस्टर खदान और सरकारी परियोजनाओं के पक्ष में निजी भूमि पर 6 खनन पट्टे, निजी भूमि पर 2 खदान लाइसेंस, 23 खदान लाइसेंस दिए हैं।

मुबारक गुल और सैफुद्दीन भट्ट ने अनुपूरक प्रश्न उठाए।

अदरक की खेती

अदरक भारतवर्ष की प्रमुख मसाला फसलों में से एक है। अदरक का प्रयोग मसाले, औषधिया और सौन्दर्य सामग्री के रूप में हमारे दैनिक जीवन में वैदिक काल से चला आ रहा हैं। खुशबू पैदा करने के लिये आचार, चाय के अलावा कई व्यंजनो में अदरक का प्रयोग किया जाता हैं। सर्दियों में खाँसी जुकाम आदि के लिए भी इसका प्रयोग आम हैं। अदरक का सोंठ के रूप में इस्तमाल किया जाता हैं। अदरक का तेल, चूर्ण और अंगलियोरजिन भी औषधियों में उपयोग किया जाता हैं।

अदरक के महत्व को समझते हुए कृषकों को अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीकी से करनी चाहिए। ताकि उनकों अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इस लेख में अदरक की उन्नत खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

अदरक का उपयोग

औषधियों के रूप में- सर्दी-जुकाम, खाँसी खून की कमी, पथरी, लीवर वृद्धि, पीलिया, पेट के रोग, वावासीर, और वायु रोगीयों के लिये दवा बनाने में प्रयोग की जाती हैं।

मसाले के रूप में- चटनी, जैली, सब्जियो, भार्बत, लड्डू, चाट आदि में कच्ची और सूखी अदरक का उपयोग किया जाता हैं।

सौंदर्य प्रसाधन में- अदरक का तेल, पेस्ट, पाउडर और क्रीम बनाने में भी इसका उपयोग किया जाता हैं।

अदरक की खेती गर्म तथा आर्द्रता वाले स्थानों में की जाती है। मध्यम वर्षा या सिंचाई बुवाई के समय अदरक की गाँठों के अंकुरण के लिये आवश्यक होती है। इसके बाद थोड़ी ज्यादा वर्षा पौधों को वृद्धि के लिये तथा इसकी खुदाई के एक माह पूर्व सूखे मौसम की आवश्यकता होती हैं। समय पर बुवाई या रोपण अदरक की खेती के लिये अति आवश्यक हैं।

1500 से 1800 मिलीमीटर, वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इसकी खेती से अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती हैं। परन्तु उचित जल निकास रहित स्थानों पर खेती को भारी नुकसान होता हैं। औसत तापमान 25 डिग्री सेन्टीग्रेड, गर्मीयों में 35 डिग्री सेन्टीग्रेड वाले स्थानों पर इसकी खेती बागों में अन्तरवर्तीय फसल के रूप में की जा सकती है।

अदरक की खेती बलुई दोमट जिसमें अधिक मात्रा में जीवाशं या कार्बनिक पदार्थ की मात्रा हो वो भूमि सबसे ज्यादा उपयुक्त रहती है। मिटटी का पी एच मान 5.6 ये 6.5 और अच्छे जल निकास वाली भूमि सबसे अच्छी, अदरक की फसल से अधिक उपज के लिऐ रहती हैं। इसकी एक ही भूमि पर बार-बार फसल लेने से भूमि जनित रोग एवं कीटों में वृद्धि होती हैं। इसलिये फसल चक्र अपनाना चाहिये। उचित जल निकास ना होने से कन्दों का विकास अच्छे से नही होता।

मार्च से अप्रैल में खेत की गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद खेत को खुला धूप लगने के लिये छोड़ देते हैं। मई के महिने में डिस्क हैरो या रोटावेटर से जुताई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लेते हैं। अनुशंसित मात्रा में गोबर की सड़ी खाद या कम्पोस्ट तथा नीम की खली का सामान रूप से खेत में डालकर पुनः कल्टीवेटर या देशी हल से 2 से 3 बार आड़ी-तिरछी जुताई करके पाटा चला कर खेत को समतल कर लेना चाहिये।

सिचाई की सुविधा और बोने की विधि के अनुसार तैयार खेत को छोटी-छोटी क्यारियों में बाँट लेना चाहिये। अंतिम जुताई के समय उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का प्रयोग करना चाहिये। शेष उर्वरकों को खड़ी फसल में देने के लिये बचा लेना चाहिये।

उन्नत किस्में

सूखा अदरक हेतु- करकल, नदिया, मारन, विनाङ मननटोडी, वल्लुवन्द, इमड और कुरूप्पमपदी आदि प्रमुख है।

ताजे अदरक हेतु- रिपोडीजेनेरो, चाइना, विनाड और टफन्जिया आदि प्रमुख है।

जेल (जिन्जेरोल) हेतु- स्लिवा स्थानीय, नरसापट्टम, इमड, चेमड और हिमाचल प्रदेश आदि प्रमुख है।

ओलियोरेगिन हेतु- इमड, चेमड, चाइना, कुरूप्पमपदी और रियो डी जेनेरो आदि प्रमुख है।

अल्पा रेशित व ताजे कन्द हेतु- जमैका, बैंकाक और चाइना आदि प्रमुख है।

अदरक की बुबाई दक्षिण भारत में मानसून फसल के रूप में अप्रैल से मई में की जाती जो दिसम्बर में परिपक्व होती है। जबकि मध्य और उत्तर भारत में अदरक एक शुष्क और सिंचित क्षेत्र की फसल है, में अप्रैल से जून माह तक बुवाई योग्य समय हैं। सबसे उपयुक्त समय 15 मई से 30 मई हैं। 15 जून के बाद बुवाई करने पर कंद सड़ने लगते हैं तथा अंकुरण पर प्रभाव बुरा पड़ता हैं।

केरल में अप्रैल के प्रथम सप्ताह में बुवाई करने पर उपज 200 प्रतिशत तक अधिक पाई गई हैं। वही सिचाई वाले क्षेत्रों में फरवरी के मध्य बोने से अधिक उपज प्राप्त हुई पायी गयी तथा कन्दों के जमने में 80 प्रतिशत की वृद्धि आँकी गयी है। पहाड़ी क्षेत्रो में 15 मार्च के आस-पास बुवाई की जाने वाली अदरक में सबसे अच्छा उत्पादन प्राप्त हुआ है।

अदरक की खेती के लिए 20 से 25 क्विंटल प्रकन्द प्रति हेक्टेयर बीज दर उपयुक्त रहती हैं और पौधों की संख्या 140000 प्रति हेक्टेयर पर्याप्त मानी जाती हैं। मैदानी भागो में 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की मात्रा का चुनाव किया जा सकता हैं। क्योंकि अदरक की कुल लागत का 30 से 40 प्रतिशत बीज में लग जाता इसलिये बीज की मात्रा का चुनाव, किस्म, क्षेत्र और प्रकन्दों के आकार के अनुसार ही करना चाहिये।

अदरक के प्रकन्द बीजों को खेत में बुवाई, रोपण और भण्डारण के समय उपचारित करना आवश्यक हैं। बीज उपचारित करने के लिये (मैंकोजेब + मैटालैक्जिल) या कार्बोन्डाजिम की 3 ग्राम मात्रा को प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर कन्दों को 30 मिनट तक डुबो कर रखना चाहिये साथ ही स्ट्रप्टोसाइक्लिन या प्लान्टो माइसिन भी 5 ग्राम की मात्रा 20 लीटर पानी के हिसाब से मिला लेते है।

जिससे जीवाणु जनित रोगों की रोकथाम की जा सके, पानी की मात्रा घोल में उपचारित करते समय कम होने पर उसी अनुपात में मिलाते जाय और फिर से दवा की मात्रा भी चार बार के उपचार करने के बाद फिर से नया घोल बनायें। उपचारित करने के बाद बीज कों थोडी देर छावं में सुखाकर वोनी करें।

प्रकन्दों को 40 सेंटीमीटर के अन्तराल पर बोना चाहिये। मेड़ या कूड़ विधि से बुवाई करनी चाहिये। प्रकन्दों को 5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिये, बाद में अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद या मिट्टी से ढक देना चाहिये। यदि रोपण करना है, तो कतार से कतार 30 सेंटीमीटर और पौध से पौध 20 सेंटीमीटर की दुरी पर करें।

अदरक की रोपाई परिस्थितियों के अनुसार 15 X 15, 20 × 40 या 25 X 30 सेंटीमीटर पर भी कर सकते हैं। भूमि की दशा या जल वायु के प्रकार के अनुसार समतल कच्ची क्यारी, मेड-नाली आदि विधि से अदरक की बुवाई या रोपण किया जाता है। अदरक बोने की प्रचलित विधि इस प्रकार है, जैसे-

समतल विधि- हल्की तथा ढालू भूमि में समतल विधि द्वारा रोपण या बुवाई की जाती हैं। खेती में जल निकास के लिये कुदाली या देशी हल से 5 से 6 सेंटीमीटर, गहरी नाली बनाई जाती है। जो जल के निकास में सहायक होती हैं। इन नालियों में कन्दों का 15 से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपण किया जाता हैं और रोपण के दो माह बाद पौधो पर मिट्टी चढ़ाकर मेडनाली विधि बनाना लाभदायक रहता हैं।

ऊँची क्यारी विधि- इस विधि में 1 X 3 मीटर, आकार की क्यारियों को जमीन से 20 सेंटीमीटर ऊची बनाकर प्रत्येक क्यारी में 50 सेंटीमीटर चौड़ी नाली जल निकास के लिये बनाई जाती हैं। बरसात के बाद यही नाली सिचाई के काम में आती हैं। इन उथली क्यारियों में 30 X 20 सेंटीमीटर की दूरी पर 5 से 6 सेंटीमीटर गहराई पर कन्दों की वुवाई करते हैं। भारी भूमि के लिये यह विधि अच्छी है।

मेड़ नाली विधि- इस विधि का प्रयोग सभी प्रकार की भूमियों में किया जा सकता हैं। तैयार खेत में 60 या 40 सेंटीमीटर की दूरी पर मेड़ नाली का निर्माण हल या फावड़े से काट के किया जा सकता हैं। बीज की गहराई 5 से 6 सेंटीमीटर रखी जाती है।

यदि पानी की उपलब्धता नही या कम है। तो अदरक की नर्सरी तैयार करते हैं। पौधशाला में एक माह अंकुरण के लिये रखा जाता है। अदरक की नर्सरी तैयार करने हेतु उपस्थित बीजो या कन्दों को गोबर की सड़ी खाद तथा रेत (50:50) के मिश्रण से तैयार बीज की फैलाकर उसी मिश्रण से ढक देना चाहिए और सुबह-शाम पानी का छिड़काव करते रहना चाहिये। कन्दों के अंकुरित होने एवं जड़ोसे जमाव शुरू होने पर उसे मुख्य खेत में मानसून की बारिश के साथ रोपण कर देना चाहिये।

यह एक लम्बी अवधि की फसल हैं। जिसे अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करना चाहिए। खेत तैयार करते समय 30 से 35 टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से सड़ी हई गोबर या कम्पोस्ट की खाद खेत में सामन्य रूप से फैलाकर मिला देना चाहिए। प्रकन्द रोपण के समय 20 कुन्टल प्रति हेक्टेयर नीम की खली भूमि डालने से प्रकन्द गलन और सूत्रकृमि या भूमि जनित रोगों की समस्यॉं कम हो जाती हैं।

रासायनीक उर्वरकों की मात्रा को 20 प्रतिशत कम कर देना चाहिए यदि गोबर की खाद या कम्पोस्ट डाला गया है तो, संतुलित उर्वरको की मात्रा 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, कम्पोस्टस 50 किलोग्राम, पोटाश किलोग्राम 50 किलोग्राम और जिंक की कमी होने पर 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर देनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और बाकि सभी उर्वरकों की पूरी मात्रा अंतिम जुताई के समय खेत में प्रकन्दों से 4 से 5 सेंटीमीटर की गहराई पर देनी चाहिए।

अदरक को हल्की छाया देने से खुले में बोई गयी अदरक से 25 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती है और कन्दों की गुणवत्ता में भी उचित वृद्धि पायी गयी हैं।

अदरक की फसल के रोग एवं कीटों में कमी लाने और मृदा के पोशक तत्वो के बीच सन्तुलन रखने हेतु अदरक को सिंचित भूमि में पान, हल्दी, प्याज, लहसुन, मिर्च अन्य सब्जियों, गन्ना, मक्का तथा मूंगफली के साथ उगाया जा सकता है। वर्षा आधिक सिंचित वातावरण में 3 से 4 साल में एक बार आलू, तालू, मिर्च, धनियों के साथ या अकेले ही फसल चक्र अपना सकते हैं। अदरक की फसल को पुराने बागों में अन्तरवर्तीय फसल के रूप में उगा सकते हैं।

पलवार (मल्चिंग)

अदरक की फसल में पलवार बिछाना बहुत ही लाभदायक होता हैं। रोपण के समय इससे भूमि का तापक्रम और नमी का सामंजस्य बना रहता है। जिससे अंकुरण अच्छा होता है। खरपतवार भी अंकुरित नही होते और वर्षा होने पर भूमि का क्षरण भी नही होने पाता है। रोपण के तुरन्त बाद हरी पत्तियाँ या लम्बी घास पलवार के लिये ढाक, आम, केला या गन्ने की पत्तियों का भी उपयोग किया जा सकता हैं। 10 से 12 टन या सूखी पत्तियाँ 5 से 6 टन प्रति हेक्टेयर बिछाना चाहिये।

दुबारा इसकी आधी मात्रा को रोपण के 40 दिन और 90 दिन के बाद बिछाते हैं। पलवार बिछाने के लिए उपलब्धतानुसार गोबर की सड़ी खाद एवं पत्तियाँ, धान के भूसे का प्रयोग किया जा सकता हैं। काली पॉलीथीन को भी खेत में बिछा कर पलवार के काम लिया जा सकता हैं। निदाई, गुड़ाई तथा मिट्टी चढ़ाने से भी उत्पादन पर अच्छा असर पड़ाता हैं। ये सारे कार्य एक साथ करने चाहिये।

पलवार के कारण खेत में खरपतवार नही उगते अगर उगे हो तो उन्हें निकाल देना चाहिये, दो बार निदाई 4 से 5 माह बाद करनी चाहिये। साथ ही मिट्टी भी चढ़ाना चाहिऐ। जब पौधे 20 से 25 सेंटीमीटर ऊँचे हो जाये तो उनकी जड़ो पर मिट्टी चढाना आवश्यक होता हैं। इससे मिट्टी भुरभुरी हो जाती है और प्रकंद का आकार बड़ा होता है, एवं भूमि में वायु संचार अच्छा होता हैं। अदरक के कंद बनने लगते है तो जड़ों के पास कुछ कल्ले निकलते हैं। इन्हे खुरपी से काट देना चाहिऐ, ऐसा करने से कंद बड़े आकार के हो पाते हैं।

अदरक की फसल में मृदु विगलन, जीवाणु म्लानि, पर्ण चित्ती और सूत्रकृमि रोग प्रमुख है। इनकी रोकथाम के लिए बीज को अच्छे से उपचारित कर के बुवाई करनी चाहिए। रोग रोधी किस्म का चुनाव करना चाहिए। रोगी पौधों को उखाड़ कर मिट्टी में दबा देना चाहिए। इसके साथ साथ 2 ग्राम गंधक प्रति लिटर पानी और 0.5 प्रतिशत मिथाइल डिमेटान 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करते रहना चाहिए। अदरक की फसल में तना बेधक, राइजोम शल्क और लघु किट जैसे कीट लगते हा इनकी रोकथाम के लिए मैलाथियान, डाइमेथोए और क्युनालफोस तीनों से एक एक मिलीलीटर दवा और एक लिटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। इसके बाद 25 किलोग्राम क्लोरोफयरिफास का चूर्ण प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राख में मिलाकर बुरकाव करना चाहिए।

अदरक की खुदाई लगभग रोपण के 8 से 9 महीने बाद कर लेनी चाहिये जब पत्तियाँ धीरे-धीरे पीली होकर सूखने लगे। खुदाई में देरी करने पर प्रकन्दों की गुणवत्ता तथा भंडारण क्षमता में गिरावट आ जाती है और भंडारण के समय प्रकन्दों का अंकुरण होने लगता हैं। खुदाई कुदाली या फावडे की सहायता से की जा सकती है, बहुत शुष्क और नमी वाले वातावरण में खुदाई करने से उत्पादन में क्षति पहुँचती है, जिससे ऐसे समय में खुदाई नहीं करना चाहिऐ। खुदाई करने के बाद प्रकन्दों से पत्तियाँ और अदरक कंदों में लगी मिट्टी को साफ कर देना चाहिये।

यदि अदरक का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाना है, तो खुदाई रोपण के 6 महीने के अन्दर की जानी चाहिऐ। प्रकन्दों को पानी से धुलकर एक दिन तक धूप में सुखा लेना चाहिये। सूखी अदरक के के लिए जिन कंदों की खुदाई 8 महीने बाद की गई है, उनको 6 से । घन्टे तक पानी में डुबोकर रखें इसके बाद नारियल के रेशे या मुलायम ब्रश आदि से रगड़कर साफ कर लेना चाहिये। धुलाई के बाद अदरक को सोडियम हाइड्रोक्लोराइड के 100 पी पी एम के घोल में 10 मिनट के लिये डुबोना चाहिए।

जिससे सूक्ष्म जीवों के आक्रमण से बचाव के साथ-साथ भण्डारण क्षमता भी बढ़ती है। अधिक देर तक धूप ताजी अदरक (कम रेशे वाली) को 170 से 180 दिन बाद खुदाई करके नमकीन अदरक तैयार की जा सकती है। मुलायम अदरक को धुलाई के बाद 30 प्रतिशत नमक के घोल जिसमें 1 प्रतिशत सिट्रिक अम्ल में डुबो कर तैयार किया जाता हैं। जिससे वो 14 दिनों के बाद प्रयोग और भण्डारण के योग्य हो जाते है।

ताजा हरे अदरक के रूप में 100 से 150 क्विंटल पैदावार प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है। जो सूखाने के बाद 20 से 25 क्विंटल तक होती हैं। उन्नत किस्मो के उपयोग एवं अच्छे प्रबंधन द्वारा औसत पैदावार 350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है। इसके लिये अदरक को खेत में 3 से 4 सप्ताह तक अधिक छोड़ना पड़ता है। जिससे कन्दों की ऊपरी परत पक जाती है और मोटी भी हो जाती हैं।

अदरक के गुण एवम उपयोग

अदरक के बहुत सारे स्वास्थ्य के लाभ है। अदरक को हल्दी , इलायची के परिवार का माना जाता है। इसकी सबसे पहले खेती साउथ एशिया में शुरू हुई थी, इसके बाद ये ईस्ट अफ्रीका और फिर दुसरे देशों में शुरू हुई। अदरक एक बहुत तेज खुशबू व स्वाद वाला होता है, जिसे खाने व बहुत से पे पदार्थ में उपयोग करते है। हमारे शरीर को जितने भी पोषक तत्व की आवश्यकता होती है, वो सब अदरक में पाए जाते है, खासतौर पर इसमें कॉपर और मैगनीज होता है। अदरक अत्याधिक गर्म तासीर का होता है, इसलिए इसे गर्मी में कम उपयोग किया जाता है व ठण्ड में उतना ही अधिक उपयोग होता है। अदरक हमें बहुत से रोगों से भी बचाता है।

1 अदरक का जूस बनाकर संक्रमण से बचाता है।
2 अदरक का आचार कैंसर जैसी बीमारी से बचाए।
3 अदरक की चाय तरह तरह के दर्द मिटाए।
4 अदरक को कई सब्जी में भी उपयोग करते है। खून साफ़ करे।

सर्दी खांसी मिटाए –

सर्दी खांसी जुखाम होने पर अदरक तुरंत आराम देता है। गले में खराश होने पर आप अदरक के जूस में शहद मिलाकर कुछ दिन पियें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा गला नाक बंद होने पर अदरक की चाय पियें। इसे आप रोज पियें, गले से जुडी सारी परेशानी दूर होगी।

अस्थमा –

अस्थमा की बीमारी में अदरक आपको बहुत आराम देगा। इसके लिए अदरक के जूस में मैथी पाउडर व शहद मिलाकर खाएं। कुछ दिन रोज इसे लें, जल्द आराम मिलेगा।

पाचन तंत्र मजबूत बनाये -

अदरक से पाचनतंत्र मजबूत होता है। पेट से जुडी सारी परेशानी दूर होती है। अदरक का जूस पियें, इससे कब्ज की परेशानी दूर होगी, साथ ही ये गैस की परेशानी से भी निजात देता है। उल्टी जैसा महसूस होने पर ताजा अदरक का छोटा सा टुकड़ा लेकर उसे चबाएं। थोड़ी देर में ही आराम मिलेगा। पेट के अल्सर को अदरक के द्वारा आराम दिया जा सकता है।

गठिया रोग दूर करे -

जोड़ो का दर्द, गठिया में होने वाला दर्द को अदरक के द्वारा मिटाया जा सकता है। शरीर में होने वाले दर्द, सूजन को अदरक का नियमित उपयोग कर ठीक कर सकते है। अदरक के जूस को सीधा या शहद में मिलाकर दिन में एक बार जरुर पियें, इसे रोजाना पियें इससे आपको जरुर आराम मिलेगा। एक शोध के अनुसार जो लोग रोज अदरक का सेवन करते है उन्हें नए पुराने कोई भी तरह का दर्द हो ठीक हो जाता है।

कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोके –

अदरक खाने से शरीर में कैंसर की कोशिकाएं नहीं बढ़ पाती है। खासतौर पर ये स्तन कैंसर को रोकने में मदद करता है।

माइग्रेन का दर्द दूर करे –

अदरक में माइग्रेन जैसे दर्द को दूर करने की भी क्षमता होती है, सर दर्द, दांतों का दर्द को अदरक से आराम मिलता है।

कोलेस्ट्रोल कम करे –

अदरक का जूस रोज पियें इससे कोलेस्ट्रोल हमेशा कंट्रोल में रहेगा, अदरक सेवन से खून के थक्के नहीं बनते है जिससे स्ट्रोक, हार्टअटेक की आशंका बहुत कम रह जाती है।